www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 267 नई दिल्ली, बुधवार, 22 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

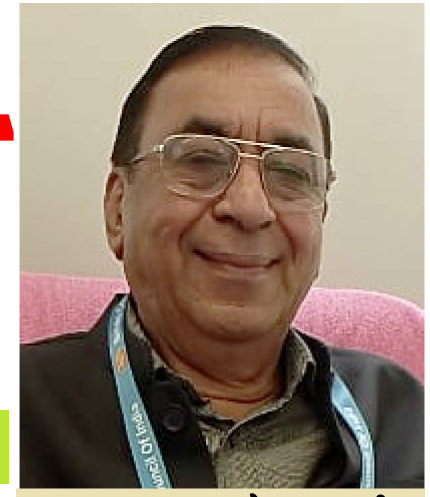

सलाहकार संपादकः अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

समरदुंग सुरंग हादसे में मृतकों की संख्या 12 पहुंची, बचाव अभियान जारी, पीएम मोदी, अमित शाह ने लिया हालत का जायजा

गंगटोक/नाम्ची, 21 जुलाई (ब्यूरो)। सिक्किम के नाम्ची जिले के समरदुंग स्थित एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। मंगलवार शाम राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सुरंग से दो और शव बरामद किए गए। प्रशासन ने आशंका जताई है कि अभी भी कुछ मजदूर सुरंग के भीतर फंसे हो सकते हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), सेना, पुलिस, जिला प्रशासन और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं।

नाम्ची जिला प्रशासन के अनुसार, सुरंग के भीतर विषैली गैस की आशंका, मलबा, कम दृश्यता और संकरे रास्तों के कारण बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इसके बावजूद बचाव दल लगातार अंदर फंसे मजदूरों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि जब तक सभी संभावित रूप से फंसे लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक खोज एवं बचाव अभियान जारी रहेगा।

यह हादसा सोमवार दोपहर करीब एक बजे उस समय हुआ, जब समरदुंग स्थित निमार्णाधीन सुरंग में कार्य चल रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरंग के भीतर अचानक गैस रिसाव और उसके बाद मलबा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। कई मजदूर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि कई अंदर फंस गए। गैस के प्रकार की आधिकारिक पुष्टि विशेषज्ञों की जांच के बाद ही की जाएगी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से टेलीफोन पर बातचीत कर हादसे की जानकारी ली तथा प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का सहयोग और संवेदनशीलता इस कठिन समय में राज्य के लिए बड़ा संबल है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री तमांग से बातचीत कर बचाव अभियान की समीक्षा की और भारत सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इस बीच सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने मंगलवार को समरदुंग पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल ने अधिकारियों को प्रभावितों तक शीघ्र राहत पहुंचाने, घायलों के समुचित उपचार और बचाव अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने हादसे में मृत प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 4-4 लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित निकालने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) ने विशेष हेल्पलाइन भी शुरू की है। प्रशासन ने परिजनों से अपील की है कि वे अपने संबंधियों की जानकारी के लिए जिला प्रशासन और एसएसडीएमए के हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।

प्रशासन के अनुसार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय स्वयंसेवी दल समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं। सरकार का कहना है कि प्राथमिकता सुरंग में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालना, घायलों का उपचार सुनिश्चित करना तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना है।

मणिपुर में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 46 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 28 अत्याधुनिक हथियार भी सौंपे

इंफाल, 21 जुलाई (हि.स.)। मणिपुर में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। प्रतिबंधित संगठन कांगलैपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के 46 सक्रिय कैडरों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह की उपस्थिति में इंफाल ईस्ट जिले के मंत्रिपुखरी स्थित असम राइफल्स (साउथ) मुख्यालय में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। इस दौरान उग्रवादियों ने 28 अत्याधुनिक हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी सुरक्षा बलों को सौंप दी।

आत्मसमर्पण कार्यक्रम में राज्य सरकार के गृह मंत्री, कला एवं संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री के अलावा कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। इनमें मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव, सुरक्षा सलाहकार, स्पियर कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), असम राइफल्स (साउथ) के महानिरीक्षक (आईजी), गृह आयुक्त, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), विधायक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने स्वेच्छा से 28 हथियार सुरक्षा बलों के हवाले किए।

नीट पेपर की लड़ाई पीएम मोदी के घर तक आई

पीएम आवास के बाहर धरने पर बैठे राहुल को पुलिस ने उठाया

प्रियंका गांधी के साथ-साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जबरदस्ती हटाया और हिरासत में लिया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुलिस जबरन उठाकर ले गई है। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे दूसरे नेताओं प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ-साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव को ज़बरदस्ती हटाया और हिरासत में ले लिया।

राहुल और प्रियंका समेत सभी को किया रिहा

हालांकि सभी नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम से करीब रात 9.45 बजे सभी को रिहा कर दिया गया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार नीट मामले में चर्चा को तैयार थी लेकिन राहुल ने प्रदर्शन का रास्ता चुना। वे छात्रों का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे। पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की। सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि नीट पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं। पहली- नीट पर संसद में चर्चा, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा। इससे पहले राहुल गांधी ने कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों समेत कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ मिलकर दोपहर करीब 3:30 बजे विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

करोड़ों की संपत्ति का मालिक निकला बिजली कंपनी का सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर

इंदौर लोकायुक्त का एक साथ शिवराम के 9 ठिकानों पर छापा, आय से 258 प्रतिशत अधिक की मिली प्राप्टर्टी

● इंदौर / (एजेंसी)

लोकायुक्त की टीम ने मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री शिवराम सेमिल के इंदौर, पीथमपुर, धार और मुरैना स्थित कुल नौ ठिकानों पर एकसाथ मंगलवार सुबह दबिश दी।

प्रारंभिक जांच में 14.50 करोड़ की संपत्ति के साथ ही उनके पास से 4 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना, तीन लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। वहीं, उनकी वैध आय करीब दो करोड़ रुपए की तुलना में साढ़े छह करोड़ रुपए व्यय करना पाया गया है। इनकी आय से 258 प्रतिशत गैर अनुपात खर्च की जानकारी मिली है। समाचार लिखे जाने तक लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है। करोड़ों रुपए की अधिक संपत्ति होने के संकेत भी मिले हैं। लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेमिल ने अपने 33 वर्ष के सेवाकाल में वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है।

300 ग्राम सोना और 4 किलो चांदी बरामद

शिवराम सेमिल की पत्नी के पास से 300 ग्राम सोना, 4 किलो चांदी और 3 लाख रुपए नगद मिले हैं। इसके अलावा लोकायुक्त को बैंक लॉकर की भी जानकारी मिली है, जिसमें करीब 6 बैंक शामिल हैं। जिसमें लाखों रुपए जमा होने की आशंका है। इस पूरे मामले की लोकायुक्त द्वारा काफी बारीकी से जांच की जा रही है। लोकायुक्त को धार जिले के उज्जैनी औद्योगिक क्षेत्र में दामाद और बेटे के नाम से संचालित एसएस इलेक्ट्रिकल्स फर्म भी मिली। यहां तीन औद्योगिक भूखंडों पर लगभग 1.50 करोड़ रुपए का निवेश सामने आया है।

बच्चों को भड़काएं नहीं उन्हें सही रास्ता दिखाएं

एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी बोले- नीट पेपर लीक के आरोपियों को सख्त सजा मिलेगी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

नीट पेपर लीक विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक मंगल मिलन में बड़ा संदेश दिया। उन्होंने सांसदों से कहा कि छात्रों को भड़काने के बजाय सही रास्ता दिखाएं। पीएम मोदी ने दोहराया कि पेपर लीक दोबारा नहीं होना चाहिए और इसमें शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी छात्र का भविष्य प्रभावित नहीं होना चाहिए और सरकार इस दिशा में पूरी गंभीरता से काम कर रही है। संसद में लाइब्रेरी बिल्डिंग के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में एनडीए संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, गलत रास्ते पर चलना आसान है।

पेपर लीक फिर से नहीं होना चाहिए

किरेन रिजिजू के मुताबिक, पीएम मोदी ने पेपर लीक मामले पर विस्तार से बात की। पीएम मोदी ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि पेपर लीक फिर से नहीं होना चाहिए। साथ ही किसी भी छात्र का भविष्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। पीएम मोदी ने पेपर लीक में शामिल आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की भी बात कही है। किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों को बताया कि नीट पुन:परीक्षा को प्राथमिकता दी गई और परिणाम विलंब किए बिना घोषित किए गए ताकि छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर वांगचुक सफदरजंग अस्पताल से मेदांता शिफ्ट

सीजेपी चीफ बोले- अब हम नहीं सरकार को यहां आना होगा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से डिस्चार्ज कर आगे के इलाज के लिए मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम ले जाया गया है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, मंगलवार शाम 6:40 बजे उन्हें छुट्टी दी गई। इसके बाद उनकी मेडिकल रिपोर्ट और इलाज से जुड़े सभी दस्तावेज मेदांता की डॉक्टरों की टीम को सौंप दिए गए।

सफदरजंग अस्पताल ने बताया कि डिस्चार्ज के वक्त सोनम वांगचुक के जरूरी स्वास्थ्य संकेत स्थिर थे। हालांकि, उनकी पैनसाइटोपेनिया (खून की तीनों प्रमुख कोशिकाओं में कमी) की समस्या बनी हुई है। अस्पताल ने कहा कि आगे के इलाज में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी जांच रिपोर्ट और मेडिकल रिकॉर्ड मेदांता की टीम को दे दिए गए हैं। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक को तुरंत मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम शिफ्ट करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि उनकी सेहत को देखते हुए लगातार विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी जरूरी है। सुनवाई के दौरान एम्स और सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर भी मौजूद थे।

जंतर-मंतर पर दूसरी पार्टियों का जमावड़ा

जब कांग्रेस का आलाकमान इस मामले पर पीएम मोदी के घर के सामने धरने पर बैठे थे तो दूसरी राजनीतिक पार्टियां अपनी हाजिरी जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के धरना स्थल पर लगा रही थी। मंगलवार को ही एनसीपी बॉस शरद पवार, सुप्रिया सुले जंतर मंतर पहुंचे और अभिजीत दिपके से मुलाकात की। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल भी आज जंतर-मंतर पहुंचे। बुधवार को उद्धव ठाकरे जंतर-मंतर पहुंच रहे हैं। समाजवादी पार्टी की नेता डिंपल यादव सोमवार को ही छात्रों के आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले चुकी हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को युवाओं के भविष्य की लड़ाई के रूप में पेश कर रही है, जबकि सरकार इसे कानून और जांच के जरिए सुलझाने की बात कह रही है। आने वाले दिनों में यह टकराव सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की राजनीति में भी बड़ा असर डाल सकता है।

पति के एम्प्लॉयर को लेटर लिखना बुरी बात

नई दिल्ली, आरएनएन। शादी के झगड़े में पत्नी की ओर से अपने पति के एम्प्लॉयर (नौकरी देने वाले) को पत्र लिखने पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी शिकायतों से पति की नौकरी जा सकती है। साथ ही गुजारा-भत्ता (मेंटेनेंस) के दावों पर भी असर पड़ सकता है। यह टिप्पणी बेंच ने एक महिला की ट्रांसफर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कई पत्नियां अपने पति के एम्प्लॉयर को पत्र लिखने का तरीका अपना रही हैं, जिससे पति की नौकरी चली जाती है। उन्होंने कहा कि तलाक मांगना एक बात है, लेकिन जीवनसाथी की रोजी-रोटी छीनना उससे भी बुरा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वैवाहिक विवाद में जीवनसाथी की रोजी-रोटी छीनना गलत

डेटा सिटी आंध्र प्रदेश के तर्लुवाडा गांव में बन रहा है गूगल का एआई डेटा सेंटर, यहां वेलकम गूगल के होर्डिंग लगे

2500 की आबादी वाले भारतीय गांव में देश की एआई किस्मत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

तर्लुवाडा की आबादी 2500 के लगभग है। भारत का यह छोटा सा गांव आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम शहर के किनारे बसा है। रिपोर्टों के अनुसार, गांव में लगे बड़े से होर्डिंग में लिखा गया है- वेलकम गूगल।

इन वाक्यों के साथ स्थानीय नेताओं की फोटो होर्डिंग में लगी है। यही विशाखापट्टनम का वो इलाका है जहां देश की एआई किस्मत लिखने की तैयारी हो रही है। हालांकि स्थानीय लोगों की कुछ चिंताएं भी हैं। उन्हीं चिंताओं के साथ-साथ यहां बुलडोजर से जमीन को समतल करने का काम शुरू हो गया है, ताकि डेटा सेंटर बनाने का काम रफ्तार पकड़ पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विशाखापट्टनम को देश की एआई राजधानी के रूप में डेवलप करने की तैयारी है। यहां बड़े-बड़े डेटा सेंटर लगाने के लिए दिग्गज कंपनियां अपनी दिलचस्पी दिखा रही हैं। जिस 1 गीगावॉट डेटा सेंटर को बनाने के लिए जमीन को समतल किया जा रहा है, वह गूगल की 1.25 लाख करोड़ रुपये की परियोजना का हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश की सरकार राज्य में डेटा सेंटरों के विकास से बहुत उम्मीदें रखे हुए हैं। मंत्रियों और अधिकारियों को उम्मीद है कि इससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री नारा लोकेश का कहना है कि डेटा सेंटरों के अलावा- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर कंडीशनिंग, कंस्ट्रक्शन मटीरियल से जुड़े लोग यहां अपना काम शुरू करने के लिए आ रहे हैं।

विशाखापट्टनम को ही क्यों चुना गया

विशाखापट्टनम की भौगोलिक स्थिति इसे एआई डेटा सिटी बनाने के लिए एकदम सही है। विशाखापट्टनम पोर्ट सिटी है, जो समुद्र के किनारे बसी है। यहां से भारत को सीधे साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने वाली समुद्री इंटरनेट केबल की कनेक्टिविटी मिलती है। विशाखापट्टनम को सिंगापुर से जुड़ने वाली सबमरीन केबल के लैंडिंग पॉइंट के रूप में भी डेवलप किया जा रहा है। इससे एआई कंपनियों को डेटा स्पीड की चिंता नहीं करनी होगी और वो हाईस्पीड कनेक्टिविटी के साथ अपने काम कर पाएंगी। योजना के तहत शहर के 100 किलोमीटर के दायरे में एक मजबूत इंटीग्रेटेड डेटा इकोसिस्टम तैयार किया जाना है।

एआई के क्षेत्र में भारत की पोजिशन

रिपोर्ट के अनुसार, एआई की ग्लोबल रेस में भारत बुनियादी कमजोरियों के कारण पीछे छूट गया है। निवेश के मामले में ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देश आगे हैं, जो एआई चिप और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बनाते हैं। वहीं, भारत की पहचान नई खोज करने वाले देश के तौर पर नहीं, बल्कि विदेशी तकनीक को उपयोग करने वाले देश की है। हालांकि जिस तरह से देश में एआई डेटा सेंटर का विकास, नई तकनीकों पर काम हो रहा है, उससे एक नई पहचान बनने की दिशा में राह निकलती हुई दिख रही है।

जल्द सरेंडर करो, नहीं तो जमानत रद्द कर देंगे

राजा रघुवंशी हत्या केस में सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी को दी वार्निंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राजा रघुवंशी मर्डर केस की सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने आरोपी सोनम रघुवंशी को सख्त चेतावनी देते हुए कहा- सरेंडर करें या फिर जमानत रद्द कर देंगे।

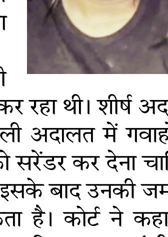

अदालत सोनम की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा थी। शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि जब निचली अदालत में गवाहों के बयान दर्ज हो रहे हैं, सोनम को सरेंडर कर देना चाहिए। कोर्ट ने ये भी संकेत दिया कि इसके बाद उनकी जमानत पर पुनर्विचार किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की कथित हत्या के मामले में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत को रद्द करने का विचार कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सोनम वांगचुक की पत्नी ने दिल्ली हाई कोर्ट का आभार जताया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले पर आभार जताया जिसमें उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने वांगचुक को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया है। गीतांजलि ने एक्स पर लिखा, वांगचुक को हमारी पसंद के अस्पताल मेदांता में भर्ती करने के पक्ष में आदेश देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दिल से धन्यवाद। बेहद मुश्किल हालात के बावजूद समय में मिली इस जीत के लिए अधिवक्ता अखिल सिब्बल, बहुली शर्मा और उनकी टीमों का भी दिल से शुक्रिया। उल्लेखनीय है कि जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को 21वें दिन दिल्ली पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करा दिया था। यह आंदोलन शिक्षा प्रणाली में अनियमितता और नीट पेपर लीक को लेकर जारी है जिसका नेतृत्व सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कर रही है।

उच्चाधिकार समिति ने अरावली संरक्षण पर जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति ने अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं से जुड़े मामलों पर जनता, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से सुझाव एवं अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं। समिति को 31 अगस्त 2026 तक अपनी व्यापक रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय को सौंपनी है। उच्चतम न्यायालय ने 25 मई 2026 को स्वतः संज्ञान रिट याचिका (सिविल) संख्या 10/2025 में पारित आदेश के तहत इस उच्चाधिकार समिति का गठन किया था। समिति को अरावली क्षेत्र से जुड़े पर्यावरण, जैव विविधता, खनन, आजीविका और अन्य संबंधित मुद्दों की विस्तृत जांच का दायित्व सौंपा गया है। समिति ने दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात सहित अन्य राज्यों के हितधारकों, पर्यावरणविदों, संरक्षणवादियों, गैर-लाभकारी संगठनों, खनन पट्टा धारकों, परियोजना प्रस्तावकों, ग्रामीणों, किसानों, खदान श्रमिकों, स्थानीय समुदायों तथा विषय में वैध हित रखने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं से सुझाव मांगे हैं। समिति ने स्पष्ट किया है कि प्राप्त होने वाले सुझावों के साथ, जहां संभव हो, दस्तावेजी साक्ष्य या अन्य सत्यापन योग्य सामग्री भी संलग्न की जाए। सभी अभ्यावेदन सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के भीतर ईमेल और निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से भेजे जा सकते हैं।

एमसीडी वार्डों और उनके संबंधित जोनों का नया विवरण अधिसूचित

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जोन के नाम बदलकर उन्हें दिल्ली के नए राजस्व जिलों के नामों के अनुरूप कर दिया है। इसके लिए एमसीडी अधिनियम, 1957 में संशोधन किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इससे नगर निगम और राजस्व विभाग के बीच बेहतर तालमेल बनेगा तथा प्रशासन अधिक स्पष्ट, आसान और जनता के लिए सुविधाजनक होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के माध्यम से अधिनियम की चौदहवीं अनुसूची को संशोधित कर दिल्ली नगर निगम के वार्डों और उनके संबंधित जोनों का नया विवरण अधिसूचित किया गया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की चौदहवीं अनुसूची में किया गया संशोधन दिल्ली के राजस्व प्रशासन और नगर निगम प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक होगा। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने 25 दिसंबर 2025 की अधिसूचना के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 39 उप-मंडल/तहसील और 13 क्षेत्र बनाए थे। इन क्षेत्रों को दिल्ली नगर निगम के 12 जोनों, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली छावनी क्षेत्र के अनुरूप रखा गया है। प्रशासनिक दक्षता और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए अब दिल्ली नगर निगम के मौजूदा जोनों के नामों को नए राजस्व जिला नामकरण के साथ औपचारिक रूप से एकरूप किया गया है। संशोधित चौदहवीं अनुसूची में दिल्ली नगर निगम के सभी 250 वार्डों के नाम और उनके संबंधित जोन का विवरण दिया गया है। इसके तहत दिल्ली नगर निगम के 12 जोन अब बाहरी उत्तर, उत्तर, उत्तर-पश्चिम, मध्य उत्तर, पुरानी दिल्ली, मध्य, पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण, पूर्व और उत्तर-पूर्व के नाम से सूचीबद्ध हैं। इस प्रशासनिक समन्वय से दिल्ली के विभिन्न विभागों के क्षेत्रीय प्रशासन में बेहतर तालमेल स्थापित होने की उम्मीद है। राजस्व प्रशासन और नगर निगम प्रशासन के क्षेत्रीय नामकरण में एकरूपता से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागों के बीच समन्वय और नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। अधिसूचना में दिल्ली नगर निगम के सभी 250 वार्डों को उनके संबंधित जोनों के साथ विस्तार से सूचीबद्ध किया गया है। अधिसूचना की पूरी प्रति समाचार के साथ संलग्न है।

फतेह नगर में तड़के भीषण आग, दो एलपीजी सिलेंडर फटे, आठ लोगों को दमकल ने सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। पश्चिमी दिल्ली के फतेह नगर इलाके में मंगलवार तड़के एक मकान की पार्किंग में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में दो कारें, दो स्कूटी और ग्राउंड प्लस तीन मंजिला मकान का निचला हिस्सा आ गया। घटना के दौरान दो एलपीजी सिलेंडरों में धमाके होने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि दमकल कर्मियों की तत्परता से आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, सुबह करीब 3:48 बजे फतेह नगर स्थित डी-177, जेल रोड, रणबीर बेकरी के पास एक मकान की पार्किंग में आग लगने की सूचना मिली। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की कुल नौ गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग पार्किंग में खड़े वाहनों से फैलकर मकान तक पहुंच गई। इसी दौरान घर में रखे दो एलपीजी सिलेंडरों में विस्फोट हो गया, जिससे आग और तेजी से फैलने लगी। दमकल कर्मियों ने बिना देर किए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया और मकान में फंसे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने करीब छह बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया, जबकि सुबह 6:35 बजे स्टॉप फायर घोषित कर दिया गया। समय रहते बचाव अभियान चलाए जाने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सीजेपी ने विजेता दहिया को असंवेदनशील व्यवहार के कारण प्रवक्ता पद से हटाया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को उनके असंवेदनशील व्यवहार के कारण इस पद से हटा दिया है।

सीजेपी ने मंगलवार को एक्स पर कहा, हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया के बेहद असंवेदनशील व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। उनके वीडियो तब सामने आए जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हमारी टीम पुलिस की बर्बर हिंसा का सामना कर रहे थे। ऐसा व्यवहार स्वीकार्य नहीं है यह समझदारी की पूरी कमी को दर्शाता है और हमारे आंदोलन के मूल्यों तथा सिद्धांतों के बिल्कुल खिलाफ है। इसके जबाव में हम विजेता दहिया को सीजेपी के प्रवक्ता के पद से हटा रहे हैं और उन्हें सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों से मुक्त कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विजेता दहिया का सोमवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह फैसला लिया गया है, जिसमें वो उस दौरान बर्गर खाते नजर आ रहे हैं जब अपने भविष्य को संवारने संसद चलो मार्च के दौरान युवा छात्र सड़कों पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे।

दिल्ली के लाल डोरा और गांवों को मिलेगा डिजिटल अधिकार, सरकार जल्द जारी करेगी स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार राजधानी के लाल डोरा और आबादी गांवों के निवासियों को उनकी संपत्तियों का आधुनिक, पारदर्शी और सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में स्वामित्व (सर्वे ऑफ विलेज एंड मैपिंग विद इंप्रोवाज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरिया) योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत व्यापक सर्वेक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि वर्षों से लाल डोरा क्षेत्रों में संपत्तियों का व्यवस्थित और प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर रही है, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। दिल्ली सरकार जल्द ही पात्र लोगों को स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने जा रही है। इसको लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 48 गांवों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ हुए समझौते के तहत योजना में शामिल किया गया है। इनमें से 30 गांवों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और उनके अंतिम प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। अब इन कार्डों में डिजिटल हस्ताक्षर जोड़ने और स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि अब तक 12,232 संपत्तियों (पॉलीगॉन) का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 8,423 संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जो कुल सर्वेक्षित संपत्तियों का लगभग 69 प्रतिशत हैं और इनके स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी

करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। दक्षिण और उत्तर-पश्चिम जिले में सर्वे की गई सभी संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जबकि अन्य जिलों में भी विवादों के समाधान के साथ आगे की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल कागजी रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी प्रक्रिया अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली पर आधारित है। योजना के तहत सबसे पहले लाल डोरा क्षेत्र की सीमाओं का चिन्हांकन किया जाता है। इसके बाद भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से पूरे गांव का हवाई सर्वे किया जाता है। फिर राजस्व विभाग के अधिकारी जमीन पर जाकर ड्रोन सर्वे के नक्शे का वास्तविक स्थिति से मिलान करते हैं। यदि किसी प्रकार की विसंगति सामने आती है तो उसकी रिपोर्ट भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भेजी जाती है, जिसके बाद आवश्यक सुधार किए जाते हैं। इसके बाद प्रत्येक संपत्ति का रिकॉर्ड तैयार कर उसे एक संपत्ति पहचान संख्या (पीआईडी) प्रदान की जाती है। इसी आधार पर प्रत्येक संपत्ति का आधिकारिक प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किया जाता है, जिसे संबंधित जमीन के स्वामी को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद पूरे रिकॉर्ड को दिल्ली ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन इन्फॉर्मेशन सिस्टम (डोरिस) से रियल टाइम में जोड़ा जाएगा ताकि भविष्य में रिकॉर्ड लगातार अद्यतन (अपडेट) रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार नागरिकों को आधुनिक और सुरक्षित डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट प्लास्टिक स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड जारी करेगी। यह यूआईडीएआई मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले पीवीसी कार्ड होंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्ड पर संपत्ति का संपत्ति पहचान संख्या (पीआईडी), जारी करने की तिथि, गांव, उप-मंडल, जिला, कब्जाधारी का नाम, पिता या पति का नाम, हिस्सेदारी, कुल क्षेत्रफल, निर्मित एवं खुला क्षेत्र, भू-आधार नंबर, सह-कब्जाधारियों का विवरण और संपर्क नंबर अंकित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक कार्ड पर क्यूआर कोड भी होगा। इस क्यूआर कोड को स्कैन करते ही संबंधित संपत्ति का पूरा डिजिटल फॉर्म-13 उपलब्ध होगा, जिसमें संपत्ति का विस्तृत नक्शा, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम दिशा की सीमाएं, पड़ोसी संपत्तियों के पीआईडी, खसरा नंबर, सह-कब्जाधारियों एवं परिवार का विवरण, तहसीलदार के डिजिटल हस्ताक्षर, आधिकारिक मुहर और दिल्ली आबादी देह सर्वेक्षण एवं रिकॉर्ड प्रबंधन नियम, 2025 की धारा 36 के अंतर्गत वैध कब्जा प्रमाणपत्र उपलब्ध रहेगा।

5.50 करोड़ के जीएसटी रिफंड धोखाधड़ी मामले में तीन सरकारी अधिकारी समेत पांच गिरफ्तार, संपत्ति की गई जब्त

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली एंटी-करप्शन ब्रांच ने 5.50 करोड़ के जीएसटी रिफंड धोखाधड़ी मामले में तीन सरकारी अधिकारियों और दो व्यक्तियों समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपितों की संपत्ति जब्त भी की गई है।

दिल्ली एंटी-करप्शन ब्रांच के प्रमुख (आईपीएस) विक्रमजीत सिंह ने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि दिल्ली सरकार की एंटी-करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने जीएसी रिफंड धोखाधड़ी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस धोखाधड़ी में लगभग 5.50 करोड़ रुपये के रिफंड को गलत तरीके से मंजूरी दी गई थी। गिरफ्तार लोगों में दिल्ली व्यापार और कर विभाग के तीन अधिकारी और दो अन्य व्यक्ति शामिल हैं। आरोपियों की पहचान अजीत सिंह (जीएसटी अधिकारी), अटल भारद्वाज (जीएसटी इंस्पेक्टर), हिमांशु मलिक (लोअर डिवीजन क्लर्क), अजय कुमार और आशीष मिश्रा है।

उन्होंने बताया कि यह मामला दिल्ली सरकार के व्यापार और कर विभाग से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायत में जीएसटी रिफंड क्लेम की प्रोसेसिंग और मंजूरी में गंभीर अनियमितताओं का जिक्र था। जांच में पता चला कि रिफंड की प्रोसेसिंग कानूनी प्रावधानों और तय विभागीय

प्रक्रियाओं का उल्लंघन करके की गई थी। आरोप है कि जरूरी वेरिफिकेशन और फाइनेंशियल जांच को नजरअंदाज किया गया, जाली दस्तावेजों और नकली तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया और रिफंड क्लेम को बहुत कम समय में प्रोसेस कर दिया गया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

विक्रमजीत सिंह ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि तत्कालीन जीएसटी अधिकारी ने जरूरी जांच-पड़ताल किए बिना ही रिफंड क्लेम को मंजूरी दे दी थी। वहीं, तत्कालीन जीएसटी इंस्पेक्टर ने बिजनेस की जगह का फिजिकल वेरिफिकेशन किए बिना ही नकली तस्वीरें अपलोड करके गलत वेरिफिकेशन रिपोर्ट जमा की, जिससे धोखाधड़ी में मदद मिली। फाइनेंशियल जांच में यह भी पता चला कि धोखाधोड़ी से मिली रकम को कई बैंक अकाउंट और शेल कंपनियों (फर्जी कंपनियों) के जरिए घुमाया गया था। मनी ट्रेल (पैसे के लेन-देन की जांच) से यह भी पता चला कि अपराध से मिली रकम का कुछ हिस्सा एक आरोपी सरकारी कर्मचारी के परिवार वालों को ट्रांसफर किया गया था। उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल रोहिणी इलाके में 2 फ्लैट खरीदने के लिए किया था।

पहली बार, एसीबी ने बीएएसएस की धारा 107 का इस्तेमाल किया और कोर्ट के आदेश से अपराध से मिली रकम से खरीदी गई संपत्ति को ट्रायल पूरा होने तक अटैच (जब्त) करवा लिया। जांच में यह भी पाया गया कि दो निजी व्यक्तियों ने बड़ी साजिश के तहत धोखाधड़ी से मिली रकम को इधर-उधर करने और लेयरिंग करने में मदद की थी।

केजरीवाल पहुंचे आरएमएल अस्पताल, घायल छात्रों और पुलिसकर्मियों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 21 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने जंतर-मंतर प्रदर्शन में घायल हुए छात्रों और पुलिसकर्मियों से मुलाकात की।

अरविंद केजरीवाल ने आज अस्पताल के बाहर से पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सोमवार को छात्रों पर हुए कथित पुलिस कार्रवाई में कई छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि घायलों में से अधिकांश को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि एक छात्रा अब भी गंभीर हालत में भर्ती है।

केजरीवाल ने कहा कि पुलिस ने जानकारी दी है कि एक बच्ची को छोड़कर सभी घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। वह बच्ची अभी भी गंभीर हालत में है। उन्होंने उस बच्ची के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर सामने आ रही खबरों का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 110 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की बातें सामने आई हैं। लेकिन अभी यहां पर सिर्फ एक बच्ची ही है, बाकि सबको डिसचार्ज कर दिया गया है।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि कल से पुलिस केंद्र सरकार के निदेर्शों पर तानाशाही तरीके से लोगों को गिरफ्तार कर रही है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और बिना एफआईआर के हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई माता-पिता और परिवार अपने बच्चों के बारे में जानकारी न मिलने से चिंतित हैं।

केजरीवाल ने बताया कि आरएमएल अस्पताल के बाद वह अब संसद मार्ग थाने जाएंगे। इस दौरान केजरीवाल के साथ आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी मौजूद रहें।

श्रीराम सेंटर में संगीतमय नाटक सिद्धार्थ से बुद्ध का प्रभावशाली मंचन, दर्शकों ने सराहा कलाकारों का अभिनय

नई दिल्ली, 21 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। राजधानी दिल्ली के सांस्कृतिक केंद्र मंडी हाउस स्थित प्रतिष्ठित श्रीराम सेंटर ऑडिटोरियम में रंग संस्था बाबू शिवजी राय फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत संगीतमय नाटक सिद्धार्थ से बुद्ध का सफल मंचन किया गया। लगभग 30 कलाकारों की सहभागिता और 19 प्रभावशाली दृश्यों से सजे इस नाटक ने भगवान गौतम बुद्ध के जीवन, उनके वैराग्य, ज्ञान प्राप्ति और परिनिर्वाण की यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाटक की कथा भगवान गौतम बुद्ध के जीवन पर आधारित रही, जिसमें उनके जन्म से लेकर ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तक के महत्वपूर्ण प्रसंगों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक का मुख्य आकर्षण सिद्धार्थ के भीतर चल रहे वैचारिक संघर्ष और उनके बुद्ध बनने की आध्यात्मिक यात्रा का संवेदनशील चित्रण रहा। इस नाटक का लेखन, निर्देशन, संगीत संयोजन एवं ध्वनि संयोजन रंग निर्देशक अतुल ढींगरा ने किया। मंच पर कलाकारों के सशक्त अभिनय ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी। प्रमुख कलाकारों में विकल्प पांडे (शुद्धोधन), प्रेरणा (महामाया), चारुल भटनागर (महाप्रजापति गौतमी), गुरकिरत कौर (मालविका), अंजना दत्ता (पूर्णा), गौरव आहुजा (असित ऋषि), रतनदीप (देवदत्त), कार्तिक (राजकुमार), शिवांग

(छन्दक), आरव भटनागर (राहुल), साहिल सिद्दीकी (भिक्षु), प्रद्युम्न (आनंद), तरुण शर्मा (बालक सिद्धार्थ), कौस्तुभ पांडे (युवा सिद्धार्थ), शरद त्यागी (भगवान बुद्ध), खुशबू (किसा गौतमी) तथा आशा (यशोधरा) शामिल रहे।

कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बौद्ध समाज के अनेक प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में दर्शकों ने नाटक का आनंद लिया। इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कन्सिडरेशन से आई महिला प्रतिनिधियों ने भी पूरे नाटक का अवलोकन किया और मंच पर कलाकारों को सम्मानित किया।

नाटक के सफल आयोजन में शरद त्यागी और प्रबल राठौड़ ने सहायक निर्देशक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रकाश परिकल्पना रितेश कुमार, सेट डिजाइन अनिल पांडे, वस्त्र विन्यास अतुल ढींगरा तथा मंच संचालन प्रबल राठौड़ ने किया। आयोजन समिति में रिजवान रजा, दिलीप शर्मा, सुमन कुमार सिंह, संजना तिवारी और दिशा मित्तल सहित अन्य सदस्यों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। नाटक के समापन पर दर्शकों ने कलाकारों और पूरी टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक और भावनात्मक प्रस्तुति बताया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित नाटकों के मंचन की प्रतिबद्धता दोहराई।

भविष्यफल

मेष- स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

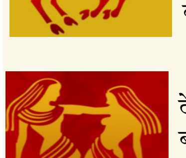

वृष- विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

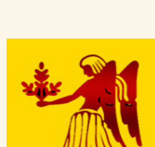

सिंह- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

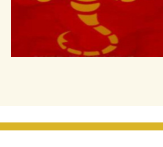

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

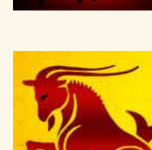

धनु- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

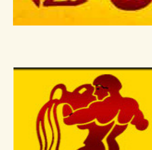

मकर- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

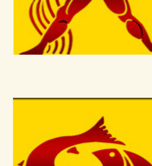

कुंभ- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

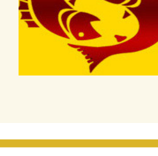

मीन- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्कूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

▶ बुशहर परमाणु संयंत्र के पास एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय

अमेरिका ने फिर किए ईरान पर हवाई हमले बंदर अब्बास समेत कई शहरों में हुए धमाके

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति के निर्देश पर की गई। अमेरिका का दावा है कि हमलों का उद्देश्य ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना है, जिनका इस्तेमाल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। हमलों के बाद ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बुशहर परमाणु संयंत्र के पास एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए। चाबहार और कोनारक में भी कई विस्फोटों की सूचना है। इस बीच ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुई एक घटना के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए जलते जहाज की तस्वीर साझा की।

100 अमेरिकी सैनिक हुए घायल, पेंटागन ने की पुष्टि

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने स्वीकार किया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए 96 प्रतिशत सैनिक इलाज के बाद ड्यूटी पर लौट चुके हैं। अधिकांश सैनिकों को सिर में हल्की चोट (कंकशन) आई थी। पार्नेल ने कहा कि घायलों से जुड़ी विस्तृत जानकारी डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम पर जारी की जाएगी। उन्होंने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के बाद दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पेंटागन युद्ध में घायल सैनिकों के आंकड़े सार्वजनिक नहीं कर रहा है। इस बीच अमेरिकी सेना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। हाल के दिनों में तीन सैनिकों की मौत हुई है। जॉर्डन में ईरानी हमले में फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहान और प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस की जान गई। वहीं उत्तरी इराक में एक ईरानी ड्रोन के निष्क्रिय किए जा रहे विस्फोटक में धमाके से एक अन्य अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई।

होर्मुज में टैंकरों में धमाके, कुवैत-बहरीन में ड्रोन हमला

ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि कुवैत में अमेरिकी रडार, संचार और ड्रोन सुविधाओं को निशाना बनाया गया। कैंप आरिफजान और अली अल सालेम एयर बेस पर भी हमले किए गए। ईरान का दावा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे दो तेल टैंकरों में विस्फोट के बाद आग लग गई। वहीं ओमान तट के पास भी एक टैंकर को निशाना बनाए जाने की खबर है। बहरीन में भी अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम और पैट्रियट मिसाइल तैनाती पर ड्रोन व मिसाइल हमलों का दावा किया गया है। उधर कतर ने संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराते हुए ईरानी हमलों की निंदा की और नुकसान की भरपाई की मांग की है।

कुवैत में मंडराया जल संकट का खतरा

कुवैत ने आरोप लगाया है कि ईरान ने लगातार चौथे दिन उसके बिजलीघरों और समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाले डिसैलिनेशन प्लांट्स पर हमला किया। हमलों में कई संयंत्रों को नुकसान पहुंचा और आग लग गई। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। देश की करीब 90 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति इन्हीं डिसैलिनेशन प्लांट्स पर निर्भर होने के कारण स्थिति को बेहद गंभीर माना जा रहा है।

नेतन्याहू की गिरफ्तारी पर ट्रम्प बोले- अमेरिका में कोई कार्रवाई नहीं होगी

वॉशिंगटन, आरएनएन। डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पष्ट किया है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू को अमेरिका में किसी भी परिस्थिति में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उनका यह बयान न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि नेतन्याहू सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने न्यूयॉर्क आते हैं तो उनकी गिरफ्तारी की संभावना पर विचार किया जा सकता है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि नेतन्याहू ईरान के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं और अमेरिका में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कार्रवाई उन लोगों पर होनी चाहिए जिन्होंने ईरान को हिंसा और अस्थिरता की ओर धकेला। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने 2024 में गाजा युद्ध के दौरान कथित युद्ध अपराधों के आरोप में नेतन्याहू और इसराइल के कुछ अन्य नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को फिर तैयार पाकिस्तान

इस्लामाबाद, आरएनएन। पाकिस्तान ने एक बार फिर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की पेशकश की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए ईमानदार और निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पाकिस्तान दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात कर क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका, ईरान और सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के करीबी संबंधों के कारण उसके लिए पूरी तरह निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण होगा।

ट्रंप ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ, 19 अगस्त से होगा लागू

अमेरिका-कनाडा व्यापार तनाव: मार्क कार्नी ने फैसले को बताया एकतरफा

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले अधिकांश उत्पादों पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। व्हाइट हाउस के अनुसार नया शुल्क 19 अगस्त से लागू होगा। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि कनाडा अमेरिकी वाहनों, डेयरी उत्पादों और शराब के साथ भेदभावपूर्ण व्यापारिक व्यवहार कर रहा है। नए टैरिफ के दायरे में वाइन, हॉकी स्टिक, सीमेंट, कपड़ा, फर्नीचर और तकनीकी उपकरण समेत कई उपभोक्ता और औद्योगिक उत्पाद शामिल किए गए हैं।

हालांकि ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि अमेरिकी उद्योग और कृषि इन पर काफी हद तक निर्भर हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह शुल्क लगभग 20 अरब डॉलर के कनाडाई आयात पर लागू होगा। अमेरिका पहले से कनाडाई स्टील, एल्युमिनियम, तांबा, सॉफ्टवुड लकड़ी और ऑटो पार्ट्स पर अलग-अलग दरों से टैरिफ लगा चुका है, जबकि कनाडा भी अमेरिकी स्टील, एल्युमिनियम और कुछ वाहनों पर जवाबी शुल्क लागू कर चुका है।

ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति ने 1930 के ट्रेड एक्ट की धारा 338 के तहत तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी प्रावधान के तहत नए शुल्क लागू किए जाएंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी फैसले को एकतरफा और अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते की भावना के विपरीत बताया।

अब 60 देशों पर नए आयात शुल्क लगाने की तैयारी

कनाडा पर सख्ती के बाद ट्रंप प्रशासन इसी सप्ताह करीब 60 देशों पर नए आयात शुल्क लगाने की तैयारी में है। यह फैसला मौजूदा 10 प्रतिशत अस्थायी वैश्विक टैरिफ की अवधि समाप्त होने से पहले लिया जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पहले चरण में 10 से 12.5 प्रतिशत तक नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं। इनका आधार कथित जबरन श्रम प्रथाओं से जुड़ी जांच को बनाया गया है। संभावित प्रभावित देशों में यूरोपीय संघ, चीन, जापान, वियतनाम, ताइवान और भारत भी शामिल हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय अन्य व्यापारिक जांचों पर भी काम कर रहा है, जिनके आधार पर भविष्य में कुछ देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जा सकते हैं। हालांकि ट्रंप के कई आर्थिक सलाहकारों ने इस कदम पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि व्यापक टैरिफ से वैश्विक व्यापार प्रभावित होगा, सप्लाई चेन महंगी होगी, महंगाई बढ़ सकती है और अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले आर्थिक दबाव बढ़ने का जोखिम रहेगा।

ग्रीस के मशहूर पर्यटन स्थल पर चाकूबाजी से मचा हड़कंप

● एथेंस / (एजेंसी)

हमले में ग्रीक-अमेरिकी मूल के महिला-पुरुष घायल

ग्रीस की राजधानी एथेंस में स्थित मशहूर पर्यटन स्थल एक्रोपोलिस के पास चाकूबाजी की घटना से हड़कंप मच गया। एक शख्स ने एक्रोपोलिस म्यूजियम के प्रवेश द्वार के पास दो पर्यटकों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, हमले में ग्रीक-अमेरिकी मूल के एक पुरुष और एक महिला घायल हुए हैं। महिला के पैर में मामूली चोट आई है, जबकि पुरुष के हाथ पर गहरे जख्म लगे हैं और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके से हिरासत में ले लिया।

मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा आरोपी

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। शुरुआती जांच में उसके मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रीस जैसे पर्यटन केंद्र में इस तरह की हिंसक घटना बेहद दुर्लभ मानी जाती है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। एथेंस का एक्रोपोलिस दुनिया के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में शामिल है। 2,500 साल पुराने पार्थेनन मंदिर और प्राचीन स्मारकों को देखने के लिए हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। पिछले साल 46 लाख लोगों ने इस ऐतिहासिक स्थल का दौरा किया था।

भारतीय मूल के कनिष्क बने ब्रिटेन के पहले एआई मंत्री

बिहार से भी है नाता

● नई दिल्ली (एजेंसी)

ब्रिटेन में नई सरकार के गठन के साथ भारतीय मूल के सांसद कनिष्क नारायण को देश का पहला एआई मंत्री नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव करते हुए वेल्स से लेबर पार्टी के सांसद कनिष्क नारायण को यह जिम्मेदारी सौंपी है। कनिष्क नारायण पिछली सरकार में भी मंत्री पद पर रह चुके हैं। नई जिम्मेदारी संभालने के बाद वे ब्रिटेन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी नीतियों और तकनीकी विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बिहार में जन्मे कनिष्क नारायण का बचपन भारत से जुड़ा रहा है। 12 साल की उम्र में वे कार्डिफ चले गए थे। उन्होंने कैथेज हाई स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के बाद ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री हासिल की। कनिष्क नारायण ने वर्ष 2024 में राजनीति में कदम रखा और वेल्स के वेले ऑफ ग्लैमोरगन से सांसद चुने गए। उनकी जीत के साथ वेल्स से पहली बार किसी जातीय अल्पसंख्यक समुदाय के सांसद ने इतिहास बनाया और 14 साल बाद इस क्षेत्र में लेबर पार्टी की वापसी हुई।

जुलाई 2024 से सितंबर 2025 के बीच नारायण पर्यावरण, खाद्य और ग्रामीण मामलों के विभाग में संसदीय निजी सचिव के रूप में भी काम कर चुके हैं। वे दक्षिण वेल्स में शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता पर काम करने वाले गैर-लाभकारी संगठन अटैन वेल्स के सह-संस्थापक भी रहे हैं।

गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग फेम केली का 18 वर्ष की उम्र में निधन

सड़क हादसे में गई जान

मुंबई, आरएनएन। हॉलीवुड अभिनेत्री केली हॉटल का 18 साल की उम्र में सड़क हादसे में निधन हो गया। वह गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग और गॉडजिला एक्स कॉन्ग- द न्यू एम्पायर में जिया के किरदार से दुनियाभर में मशहूर हुई थीं।

केली के पिता जोशुआ हॉटल ने फेसबुक लाइव के जरिए उनके निधन की पुष्टि की। टेक्सास स्कूल फॉर द डेफ, जहां वह सीनियर छात्रा थीं, ने भी शोक जताते हुए परिवार की निजता का सम्मान करने और अफवाहों से बचने की अपील की। केली ने 2021 की गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग में मूक-बधिर बच्ची जिया का किरदार निभाकर खास पहचान बनाई थी। इसी भूमिका के लिए उन्हें सैटर्न अवॉर्ड्स में बेस्ट परफॉर्मेंस बाय अ यंगर एक्टर श्रेणी में नामांकन भी मिला था।

स्टार्टअप योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं युवा, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में निभाएं भूमिका : बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली, 21 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने देश के युवाओं से स्टार्टअप, नवाचार और स्वरोजगार योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया अभियान ने देश में नवाचार और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित की है। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बन रहा है।

लोकसभा में स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम का मुद्दा उठाते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने उभरते राज्यों और युवा उद्यमियों तक इस योजना का प्रभावी लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने योजना की प्रगति संबंधी जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के तहत देशभर में 219 इनक्यूबेटर्स को 945 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 650 करोड़ रुपये जारी भी किए जा चुके हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह योजना नवाचार आधारित स्टार्टअप्स को प्रारंभिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में कृषि, वनोपज, खनिज, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्टार्टअप्स की अपार संभावनाएं हैं। यदि युवाओं को समय पर मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण इनक्यूबेशन, वित्तीय सहायता और बाजार से बेहतर जुड़ाव मिले तो छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी स्टार्टअप राज्यों में शामिल हो सकता है।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया के अगले चरण में उभरते राज्यों, आकांक्षी जिलों और स्थानीय नवाचारों को विशेष प्राथमिकता देकर योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र उद्यमी तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाना आवश्यक है। इससे नवाचार को गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और विकसित भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

रायपुर सांसद ने युवाओं से स्टार्टअप इंडिया सीड फंड के साथ-साथ स्टार्टअप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, एमएसएमई तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य उद्यमिता एवं स्वरोजगार योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा अपने नवाचारी विचारों को सफल उद्यम में बदलकर रोजगार के नए अवसर सृजित करें और आत्मनिर्भर एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ का युवा अपनी प्रतिभा, नवाचार और परिश्रम के बल पर राज्य को देश के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आज का इतिहास

- **1678:** भारत के प्रसिद्ध वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज ने वेल्लोर किले पर विजय प्राप्त की।
- **1908:** भारतीय स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोप में छह वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई।
- **1947:** स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) को संविधान सभा ने आधिकारिक रूप से अपनाया।
- **1987:** भारत और श्रीलंका के बीच भारत-श्रीलंका समझौते (इंडो-श्रीलंका एकॉर्ड) की घोषणा से पहले कूटनीतिक प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुंची।
- **1992:** भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी के विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण परीक्षण पूरे हुए।
- **2008:** भारत सरकार ने संसद में विश्वास मत जीता, जिससे तत्कालीन यूपीए सरकार सत्ता में बनी रही।
- **2013:** ब्रिटेन में शाही परिवार के उत्तराधिकारी प्रिंस जॉर्ज का जन्म हुआ।

दावा 2028 में एलियंस के अस्तित्व का पुख्ता सबूत आएगा सामने, नकदी व्यवस्था खत्म हो जाएगी, यूएस का स्वरूप बदल जाएगा

टाइम ट्रैवलर का दावा: 4 सालों में देखने को मिलेंगे कई बड़े बदलाव

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

एक व्यक्ति ने खुद को वर्ष 2045 से आया टाइम ट्रैवलर बताते हुए दावा किया है कि अगले चार सालों में दुनिया में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। उसके अनुसार वर्ष 2028 में एलियंस के अस्तित्व का पुख्ता सबूत सामने आएगा, नकदी व्यवस्था खत्म हो जाएगी और अमेरिका का मौजूदा स्वरूप बदल जाएगा।

खुद को एडम आर्कॉन बताने वाले इस व्यक्ति ने दावा किया कि समय यात्रा की तकनीक वर्ष 2028 में आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी। उसका कहना है कि यह तकनीक 1981 में ही विकसित हो चुकी थी, लेकिन इसे लंबे समय तक गुप्त रखा गया। आर्कॉन का एक पुराना वीडियो हाल ही में दोबारा चर्चा में आया, जिसमें वह कथित तौर पर लाई डिटेक्टर टेस्ट के दौरान भविष्य की घटनाओं के बारे में जानकारी देने का दावा करता नजर आता है।

वीडियो में उसने कहा कि अगस्त 2028 में एलियंस धरती पर आएंगे और दुनिया भर की सरकारें उनके अस्तित्व को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करेंगी। उसने यह भी दावा किया कि वर्तमान में दिखने वाले कई यूएफओ वास्तव में भविष्य से आने वाले टाइम ट्रैवल वाहनों का हिस्सा हैं, जिनका इस्तेमाल लोग इतिहास की घटनाओं को देखने के लिए करते हैं।

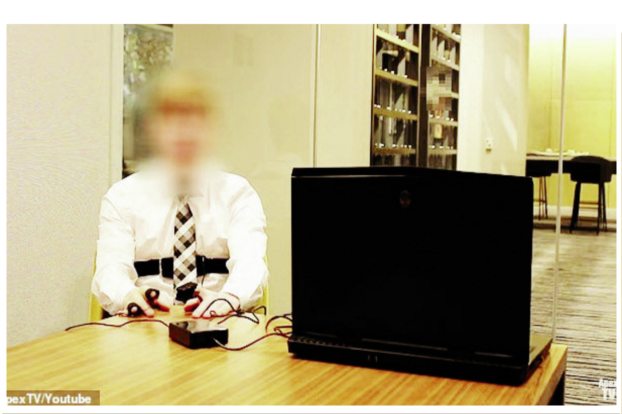

हाथ में लगेगा डिजिटल चिप

आर्कॉन के अनुसार फरवरी 2029 से लोगों के हाथ में द वन नाम की एक चिप लगाने की शुरुआत होगी। उसने दावा किया कि यह चिप भुगतान करने, दिमागी क्षमता बढ़ाने और स्वास्थ्य सुधारने में मदद करेगी। उसके मुताबिक यह प्रणाली दुनिया की सभी मुद्राओं की जगह ले लेगी और कैश पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

2030 में बदलेगा अमेरिका का स्वरूप

टाइम ट्रैवलर ने दावा किया कि वर्ष 2030 तक अमेरिका एक स्वतंत्र राष्ट्र नहीं रहेगा और एक नई वैश्विक सरकार का हिस्सा बन जाएगा। उसके अनुसार दुनिया को महाद्वीपों के आधार पर बांटा जाएगा और अमेरिका को डिस्ट्रिक्ट 3 का हिस्सा बनाया जाएगा। उसने यह भी दावा किया कि वर्ष 2033 में द लाइट नाम का एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सिस्टम जारी होगा, जो हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में मौजूद होगा। लोग इससे सवाल पूछ सकेंगे, जबकि दस सरकारी अधिकारी इसके फैसलों की निगरानी करेंगे।

डायनासोर फिर जीवित होंगे

आर्कॉन ने भविष्यवाणी की कि वर्ष 2045 तक वैज्ञानिक डायनासोर की क्लोनिंग करने में सफल हो जाएंगे। इसके बाद लोग जुरासिक पार्क जैसी जगहों पर टी-रेक्स, ट्राइसेरटॉप्स और वेलोसिरैप्टर जैसे जीवों को देख सकेंगे।

दावों पर उठे सवाल

हालांकि आर्कॉन के दावों की पुष्टि के लिए कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। आलोचकों ने उसके वीडियो को फर्जी और पहले से तैयार किया हुआ बताया है। जनवरी 2019 के एक अन्य वीडियो में उसने 2020 में एक विवादित रोबोट आने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन ऐसा कोई बड़ा घटनाक्रम सामने नहीं आया। उसने कोरोना महामारी का भी कोई जिक्र नहीं किया था, जबकि यह 2020 में दुनिया भर में बड़ा संकट बनी। वैज्ञानिकों के अनुसार सैद्धांतिक रूप से समय यात्रा की संभावना पर चर्चा होती रही है और यह आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत से जुड़ी है, लेकिन इंसानों के अतीत में यात्रा करने का अब तक कोई प्रमाण नहीं मिला है। इसी तरह एलियंस या यूएफओ के अस्तित्व का भी कोई निर्णायक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। आर्कॉन ने यह भी दावा किया कि 2028 में संपर्क करने वाले एलियंस अंतरिक्ष से नहीं आएंगे, लेकिन उसने इसके आगे कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया।

संपादकीय

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूनामेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूनामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूनामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूनामेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई। वहीं दूसरी ओर अनिवार्य हाइड्रेशन ब्रेक को लेकर भी काफी हंगामा देखने में आया। दरअसल, ये अमेरिकी खेलों में होने वाले टैक्टिकल टाइमआउट जैसे थे। फुटबॉल प्रेमियों का आरोप था कि इससे खेल की लय टूटी है। दूसरी तरफ कमर्शियल मौके बनते देखे गए। यह पहले से तय था कि अनावश्यक दखलंदाजी के लिये चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति का दखल भी इस टूनामेंट में दिखेगा, क्योंकि इस आयोजन के मुख्य टूनामेंट अमेरिका में खेले जा रहे थे। इस आयोजन के दौरान तब विवाद सामने आया जब डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो से अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को दिखाए गए रेड कार्ड की समीक्षा करने को कहा था। विवाद तब उठना शुरू हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दखल के बाद अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर से एक मैच का बैन हटा लिया गया, जिसके बाद बालोगुन ने राउंड-ऑफ-16 का मैच खेला। लेकिन इस अभूतपूर्व दखल के बाद दंभी अमेरिका टूनामेंट से बाहर होने से नहीं बच पाया। इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के साथ पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने के लिये मैदान पर आए तो लोगों ने अपनी भड़ास निकालते हुए खूब हूटिंग की। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस आयोजन के दौरान जो खामियां सामने आई, आने वाले विश्वकप में फीफा उन्हें दूर करने का प्रयास करेगा। खासकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इनोवेशन से खेल तो बेहतर होना चाहिए, लेकिन खेल को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। बहरहाल, खेल की उस मूल आत्मा को अक्षुण्ण रखने की जरूरत है, जिसके चलते फुटबॉल आज दुनिया के सबसे पसंदीदा खेलों में शुमार है।

संसद मार्च : सीजेपी की अराजकता, ये भारत के युवा नहीं हो सकते ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दिल्ली में संसद मार्च के दौरान सामने आए दृश्य आज प्रत्येक देशभक्त भारतवासी को चिंता में डाल रहे हैं। जिसने भी इन्हें देखा, प्रतिक्रिया एक ही सामने आ रही थी, ये अराजकता भारत के युवा चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर बैरिकेड तोड़े जाएं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए, पुलिस पर पथराव हो, संसद तक बलपूर्वक पहुंचने का प्रयास किया जाए और सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषणों तथा अपुष्ट सूचनाओं के माध्यम से वातावरण को और उग्र बनाया जाए, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि क्या यही वह युवा है, जिसकी कल्पना स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द, महात्मा गांधी और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे भारत के महान देशभक्तों ने की थी?

स्वामी विवेकानन्द ने भारत के युवाओं के लिए ऊर्जावान के साथ चरित्रवान होने का स्वप्न देखा था। उनका प्रसिद्ध कथन है, हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। उन्होंने युवाओं से उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का आह्वान अवश्य किया, किंतु कहीं भी यह नहीं कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए कानून तोड़ो, हिंसा करो या समाज में अराजकता फैलाओ। विवेकानन्द के लिए युवा वह था, जो अपने आत्मबल, संयम और राष्ट्रभक्ति से समाज का नेतृत्व करे।

महर्षि अरविन्द भी भारत के युवाओं को राष्ट्र की आध्यात्मिक और नैतिक शक्ति मानते हैं। उनका विश्वास है कि भारत का पुनर्जागरण राजनीतिक के स्थान पर चरित्रवान युवाओं से होगा, क्योंकि राष्ट्र निर्माण का आधार आत्मानुशासन है। यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जितने भी महान युवा सामने आए, उन्होंने संघर्ष अवश्य किया, परंतु राष्ट्र की संपत्ति को नष्ट करना, समाज में भय का वातावरण बनाना अथवा भीड़ के उन्माद को नेतृत्व मानना कभी स्वीकार नहीं किया।

यहां महात्मा गांधी के विचारों को भी समझना उपर्युक्त होगा, वे कहते हैं, अहिंसा निर्बलों का नहीं, वीरों का अस्त्र है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार मौलिक है, किंतु हिंसा किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति को समाप्त कर देती है। यदि किसी आंदोलन का परिणाम आम नागरिकों की पीड़ा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति और कानून-व्यवस्था का संकट बन जाए, तो वह जनांदोलन कैसे कहला सकता है? वह तो लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तोड़ने का कार्य है। विरोध और विध्वंस में यही मूल अंतर है, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को अपने प्रदर्शन के दौरान समझना चाहिए था। क्या आज हम इस तथ्य को नजरअंदाज कर सकते हैं कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या

कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यही युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, किंतु यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण के स्थान पर अराजकता की दिशा में मुड़ जाए, तब फिर क्या कहा जाएगा, सच पूछिए तो यही स्थिति एक सफल देश के लिए उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बन जाती है, जैसा कि दृश्य दिल्ली में दिखा है।

संसद मार्च के दौरान जो घटनाएं सामने आईं, वस्तुतः उनमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, यातायात का ठप हो जाना तथा सोशल मीडिया पर उग्र और विवादित वीडियो का प्रसार, इन सबने लोकतांत्रिक विरोध और भीड़तंत्र के बीच की रेखा को आज पुनः चर्चा के केंद्र में ला दिया है। कई वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं होने के बाद भी जिस तरह से उनका प्रसार किया जा रहा था, उससे यही समझ आता है कि भारत को कैसे अराजक बनाया जा सकता है, इसके लिए लगता है, देश में कई शक्तियां कार्य कर रही हैं जोकि इस शांति मार्च के नाम पर एक साथ आती हुई दिखीं। एक दूसरा दृश्य भी भारत में दिखता है, जिसमें स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ना शामिल। चंद्रयान, आदित्य-एल1, डिजिटल भुगतान, नवाचार और विश्वस्तरीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी ने यह सिद्ध किया है कि जब भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग निर्माण में करता है, तो वह पूरी दुनिया को चकित कर देता है। दूसरी ओर जब इन्हीं युवाओं का एक वर्ग अपनी ऊर्जा हिंसा, तोड़फोड़ और भीड़ के उन्माद में व्यर्थ करता दिखता है, तो यह राष्ट्रीय क्षमता की हानि के रूप में दिखाई देता है। इस पूरे घटनाक्रम का एक और चिंताजनक पक्ष सोशल मीडिया की भूमिका है। आज कुछ सेकंड का वीडियो लाखों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर देता है। बिना सत्यापन के प्रसारित दावे, उत्तेजक भाषण और आधी-अधूरी सूचनाएं भीड़ को भड़काने का माध्यम बन जाती हैं। उन राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए, जोकि अपने हित में देश की युवा शक्ति का गलत इस्तेमाल करते हैं। युवा शक्ति को राजनीतिक प्रदर्शन का औजार बनाना किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत कभी नहीं हो सकता। ध्यान रहे, लोकतंत्र में सत्ता बदल सकती है, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यदि युवा पीढ़ी का चरित्र बदल गया तो उसकी भरपाई किसी राजनीतिक परिवर्तन से नहीं हो सकेगी।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा कहते थे, सपने वे नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो हमें सोने नहीं देते। उनका सपना ऐसा भारत था, जहाँ युवा प्रयोगशालाओं में शोध करें, उद्योग स्थापित करें, विज्ञान और तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करें तथा समाज को नई दिशा दें। वास्तव में इस परिभाषा से वही भारत का वास्तविक युवा है जो निर्माण करता है, विनाश नहीं; जो समाधान खोजता है, संकट नहीं बढ़ाता; जो राष्ट्र को जोड़ता है, तोड़ता नहीं और न ही दिल्ली जैसी अराजकता बिल्डिंगों में घुसकर एवं खड़े वाहनों में तोड़-फोड़ करके फैलाता है!

आज जो भी देश में अराजकता व्याप्ति में लगे हैं, वे समझ लें कि पत्थर कभी विचार का स्थान नहीं ले सकते और भीड़ कभी चरित्र का विकल्प नहीं बन सकती। स्वामी विवेकानन्द का युवा हाथ में पुस्तक लेकर चलता है, वह किसी पर पत्थर फैककर सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट नहीं करता है, वह तो राष्ट्र की संपत्ति बढ़ाता है और समाज को संगठित करता है, इसलिए संसद मार्च की घटनाओं के बाद सबसे बड़ा प्रश्न कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) यही है कि वे अपने आन्दोलन से भारत के युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है?

समान नागरिक संहिता : संविधान के अधूरे संकल्प से सामाजिक समरसता की ओर

कृष्णमोहन झा

भारत का संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी घोषणापत्र है। संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी, जहाँ नागरिकों के अधिकार उनके धर्म, जाति या पंथ से नहीं, बल्कि उनकी नागरिकता से निर्धारित हों। इसी सोच का प्रतिबिंब संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में शामिल अनुच्छेद 44 में दिखाई देता है, जिसमें राज्य से अपेक्षा की गई है कि वह नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करेगा। स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद मध्यप्रदेश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को स्वीकृति दिए जाने और उसे विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने के साथ यह विषय एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है।

समान नागरिक संहिता का विचार नया नहीं है। संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर का मत था कि आधुनिक लोकतांत्रिक राष्ट्र में नागरिक अधिकारों का आधार समानता होना चाहिए। वहीं के.एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर जैसे सदस्यों ने भी नागरिक जीवन से जुड़े मामलों में समान कानूनी व्यवस्था का समर्थन किया। हालांकि तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों और देश की विविधता को देखते हुए इसे मौलिक अधिकारों में शामिल करने के बजाय नीति-निर्देशक तत्वों में रखा गया, ताकि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके।

पिछले सात दशकों में यह विषय समय-समय पर न्यायपालिका, विधि आयोग, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच चर्चा का विषय रहा। शाह बानो प्रकरण, सरला मुद्गल जैसे मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने भी यह टिप्पणी की कि समान नागरिक संहिता पर गंभीर विचार होना चाहिए। इन टिप्पणियों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष पर प्रश्न उठाना नहीं था, बल्कि संविधान में निहित समानता के सिद्धांत की ओर ध्यान आकर्षित करना था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी स्वतंत्रता के बाद से समान नागरिक संहिता का निरंतर समर्थन किया है। संघ का मानना रहा है कि व्यक्तिगत कानूनों में समानता राष्ट्रीय एकात्मता और समान नागरिक अधिकारों को मजबूत करेगी। दूसरी ओर अनेक धार्मिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकताओं ने यह भी कहा कि किसी भी परिवर्तन को व्यापक संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि बड़े सुधार केवल कानून बनाकर नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से स्थायी रूप से स्थापित होते हैं।

उत्तराखंड द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने के बाद अब मध्यप्रदेश इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित की, व्यापक जनसुझाव आमंत्रित किए और उसके आधार पर विधेयक का प्रारूप तैयार किया। सरकार का कहना है कि लाखों सुझाव प्राप्त हुए तथा व्यापक स्तर पर परामर्श के बाद यह मसौदा तैयार किया गया।

प्रस्तावित प्रावधानों में बहुविवाह पर रोक, विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, तलाक की विधिक प्रक्रिया, महिलाओं और पुरुषों के लिए समान उत्तराधिकार अधिकार तथा कुछ परिस्थितियों में लिव-इन संबंधों के पंजीकरण जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। अनुसूचित जनजातियों को फिलहाल इसके दायरे से बाहर रखा गया है। सरकार का तर्क है कि इसका उद्देश्य नागरिक अधिकारों में समानता स्थापित करना है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इसके सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर भी गंभीर चर्चा आवश्यक है। यहीं इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है क्या केवल कानून बना देने से समानता स्थापित हो जाएगी?

इतिहास बताता है कि सामाजिक परिवर्तन केवल विधायी निर्णयों से नहीं आते। बाल विवाह निषेध कानून, दहेज निषेध कानून, शिक्षा का अधिकार या घरेलू हिंसा विरोधी कानून इन सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समाज की मानसिकता में परिवर्तन भी आवश्यक था। समान नागरिक संहिता के साथ भी यही सत्य लागू होगा।

यदि यह कानून महिलाओं को अधिक सुरक्षा देता है, विवाह और उत्तराधिकार में समान अधिकार सुनिश्चित करता है, कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और नागरिकों को समान न्याय दिलाने में सहायक होता है, तो निस्संदेह यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यदि इसके क्रियान्वयन में संवाद, संवेदनशीलता और विश्वास का अभाव रहा, तो अनावश्यक विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए इस कानून की सफलता उसकी धाराओं से अधिक उसके कार्यान्वयन और सामाजिक स्वीकार्यता पर निर्भर करेगी।

मध्यप्रदेश की पहल का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह बहस केवल राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी। अन्य राज्य भी इस अनुभव का अध्ययन करेंगे। यदि यह मॉडल न्यायपूर्ण, पारदर्शी और प्रभावी सिद्ध होता है, तो यह देशव्यापी विमर्श को नई दिशा दे सकता है। यदि इसमें व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं, तो उनसे भी सीख लेकर आगे की नीति को बेहतर बनाया जा सकेगा। लोकतंत्र की यही शक्ति है कि वह प्रयोगों से सीखता है।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। भाषा, संस्कृति, परंपरा और आस्था की इस विविधता को सुरक्षित रखते हुए समान नागरिक अधिकार सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। यही कारण है कि समान नागरिक संहिता पर चर्चा केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि संवैधानिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी होनी चाहिए। इस विषय पर मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मतभेदों के बीच संवाद बना रहना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अंततः समान नागरिक संहिता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि क्या यह संविधान की मूल भावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को और अधिक मजबूत करती है। यदि यह कानून नागरिकों को समान अधिकार देने के साथ सामाजिक विश्वास भी अर्जित करता है, तो मध्यप्रदेश की यह पहल केवल एक राज्य का विधायी निर्णय नहीं रहेगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के विकासक्रम में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद की जाएगी।

संविधान हमें केवल अधिकार नहीं देता, वह एक दिशा भी देता है। समान नागरिक संहिता उसी दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। अब यह समय बताएगा कि यह कदम भारतीय समाज को अधिक न्यायपूर्ण, अधिक समतामूलक और अधिक समरस बनाने में कितना सफल होता है।

धरना, प्रदर्शन, आंदोलन और हड़ताल : लोकतंत्र की कसौटी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सहमति नहीं, उसकी असहमति है। असहमति और संवाद समाज को गतिशील बनाए रखते हैं। इसी उद्देश्य से संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं का निर्माण किया है। अपेक्षा यह थी कि मतभेद संस्थाओं में व्यक्त होंगे, संवाद से समाधान निकलेगा और लोकतंत्र निरंतर परिपक्व होता रहेगा।

भारत का इतिहास इसी परंपरा का साक्षी है। बुद्ध ने प्रश्न पूछे, संतों ने सामाजिक जड़ताओं को ललकारा और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह को नैतिक शक्ति का पर्याय बनाया। उनके लिए आंदोलन प्रतिद्वंद्वी को परास्त करने का नहीं, उसके विवेक को जागृत करने का माध्यम था। इसलिए आंदोलन लोकतंत्र का विकल्प नहीं, उसका आवश्यक संस्कार थे।

आज प्रश्न आंदोलनों के औचित्य का नहीं, उनके बदलते चरित्र का है। सामाजिक नैतिक पतन से एक प्रशासनिक विफलता हुई, परीक्षा-पत्र लीक हो गया। यह गंभीर अपराध है और उसका कठोर समाधान भी आवश्यक है। किंतु क्या उसका उपचार केवल शिक्षा मंत्री का तत्काल त्यागपत्र, अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध आक्रोश ही है? जब निर्वाचित सदनों को तोड़ने, जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध हिंसा भड़काने, राष्ट्र की अस्मिता का उपहास करने और किसी विचारधारा के उन्मूलन जैसे उग्र स्वर आंदोलनों की भाषा बनने लगें, तब प्रश्न समस्या का नहीं, मानसिकता का हो जाता है।

यहाँ लोकतंत्र ठिठककर पूछता है, कैसा संवाद? और किससे संवाद? उस नागरिक से जो समाधान चाहता है, या उस उग्र भीड़ से जो समाधान से अधिक टकराव में विश्वास करती है? विरोध का अधिकार लोकतंत्र देता है, पर लोकतंत्र को ही अस्वीकार करने का अधिकार नहीं देता। असहमति यदि तर्क का हाथ छोड़कर उत्तेजना का हाथ थाम ले, तो वह आंदोलन नहीं, अतिवाद की दहलीज पर पहुँच जाती है।

यह भी उतना ही सत्य है कि संवाद का दायित्व केवल आंदोलनों पर नहीं, शासन पर भी है। जब संस्थाएँ समय पर सुनना छोड़ देती हैं, तब सड़कें बोलने लगती हैं। इसलिए लोकतंत्र की सफलता न आंदोलनों के विस्तार में है, न दमन में। उसकी सफलता संवाद की विश्वसनीयता में है।

अब समय नई सोच का है। जन-सुनवाई की समयबद्ध व्यवस्था हो, विधायिकाएँ वास्तविक विमर्श का मंच बनें, शिकायतों के निराकरण की स्वतंत्र संस्थाएँ सशक्त हों और आंदोलन अंतिम विकल्प बनें, पहला नहीं। लोकतंत्र की ऊर्जा सड़क और सदन, दोनों के संतुलन में है।

लोकतंत्र की गरिमा नारों के शोर से नहीं, विचारों के प्रकाश से बढ़ती है। इतिहास बताता है कि राष्ट्र आंदोलनों से बदलते हैं, पर सभ्यताएँ संवाद से आगे बढ़ती हैं। इसलिए लोकतंत्र की अगली यात्रा सड़क की टकराहट से नहीं, संवाद की संस्कृति से तय होगी। वही असहमति को शक्ति देगा, अतिवाद को पराजित करेगा और लोकतंत्र को उसकी वास्तविक ऊँचाई तक पहुँचाएगा।

लिव-इन रिलेशनशिप : स्वतंत्रता नहीं, स्वच्छंदता

प्रो. मनोज कुमार

लिव-इन रिलेशनशिप क्या भारतीय समाज और उसकी व्यवस्था के अनुरूप है? क्या इससे सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न नहीं हो रहा है? बिलकुल इस नए किस्म के रिश्ते से कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही हैं। आए दिन अपराध के जो नए-नए मामले आ रहे हैं, वह कानूनी दृष्टि से एक बड़ी समस्या बन चुकी है तो समाज में अविश्वास का भाव उत्पन्न हो रहा है।

जिस सनातनी समाज की हम कल्पना करते हैं, वहां वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, वहां इस तरह के नए रिश्तों को कोई जगह नहीं है। अलग-अलग किस्म के सर्वे में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि अब लड़कियां जल्द शादी नहीं करना चाहती हैं । कई ऐसे सेलिब्रेटी हैं जिन्होंने पिछले दिनों भारतीय विवाह संस्था को बेकार और बेकाम साबित करने वाले बयान दिए हैं। भारतीय वैवाहिक संस्था किसी धर्म के आधार पर नहीं बल्कि सुविचारित अनादिकाल से बनी हुई है। विवाह का अर्थ केवल संतान उत्पन्न करना नहीं है अपितु दो परिवार आपस में मिलते हैं और समग्र विकास, सहयोग और विश्वास का रिश्ता बनता है। यही भारतीयता का मूल आधार है लेकिन लिव-इन रिलेशनशिप ने जैसे इसे ताक पर रख दिया है।

जब हम कानून के परिप्रेक्ष्य में चर्चा करते हैं तो कानून समाज में सभी के अधिकारों की बात करता है और इसे उसका दायित्व माना जा सकता है। जैसा कि लिव-इन रिलेशनशिप के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना है। इस पर समाज में लंबे समय से विमर्श चल रहा है और बातें आगे भी होती रहेंगी। इस संबंध में मध्य प्रदेश सरकार ने प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के अंतर्गत लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

यह कानून वर्तमान समय में सामाजिक और कानूनी दृष्टि से चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। सरकार का उद्देश्य लिव-इन संबंधों को कानूनी मान्यता प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। संभव है कि जल्द ही प्रस्तावित प्रावधान अमल में लाया जा सके। सरकार जो कर सकती है, वह कर रही है।

प्रस्तावित नए कानून में सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि लिव-इन संबंध में रहने वाले जोड़ों को अपने संबंध का पंजीकरण एक निर्धारित समय सीमा, अर्थात एक महीने के भीतर कराना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इससे संबंधों में पारदर्शिता आएगी तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाले विवादों को कम किया जा सकेगा। प्रस्तावित कानून के अनुसार यदि कोई व्यक्ति निर्धारित समय में अपने लिव-इन संबंध का पंजीकरण नहीं कराता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार नियमों के उल्लंघन पर दंड और कारावास का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करना है।

सरकार की चिंता इस बात से जाहिर होती है कि इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा है। कई बार लिव-इन संबंधों में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

संबंध टूटने की स्थिति में महिलाओं के लिए भरण-पोषण, संपत्ति और बच्चों की देखभाल से जुड़े प्रश्न उत्पन्न होते हैं। प्रस्तावित कानून इन समस्याओं के समाधान के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करने का प्रयास करता है। महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए इसके अतिरिक्त, लिव-इन संबंधों से जन्म लेने वाले बच्चों को भी समान अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। सरकार का मानना है कि किसी बच्चे के अधिकार उसके माता-पिता की वैवाहिक स्थिति पर निर्भर नहीं होने चाहिए। इसलिए ऐसे बच्चों को उत्तराधिकार और अन्य कानूनी अधिकार प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

उपरोक्त बिंदु से सरकार की मंशा साफ है कि वह हर स्थिति में ऐसे रिश्ते में रहने वाली स्त्री को सुरक्षा दिलाना चाहती है। अब इसके बाद समाज का दायित्व होता है कि कानूनन लिव-इन रिलेशनशिप भले ही नाजायज ना हो लेकिन समाज की दृष्टि में वह जायज नहीं है। भारतीय कानून ने ही विवाह के लिए लडके और लडकी की उम्र का निर्धारण कर उसे वयस्क अथवा अवस्यक बताया है। रूढ़िवादी भारतीय समाज का मानस बदलने के लिए राजा राममोहन राय ने विधवा विवाह परंपरा की शुरूआत की।

जो लोग अकेले हो गए हैं, उसे सनातनी संस्कृति में नवजीवन शुरू करने का प्रावधान है फिर यह लिव-इन रिलेशनशिप जैसे रिश्तों में उलझने की जरूरत ही क्या है।

जब लोग लिव-इन रिलेशनशिप के खतरे को समझ जाएंगे या मानने लगेंगे तो सरकार और कानून पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव स्वयमेव समाप्त हो जाएगा। कथित विकासवादी सोच के लोगों के लिए लिव-इन रिलेशनशिप जरूरी हो सकता है औवे राज्य शासन के प्रस्तावित प्रावधान के खिलाफ हैं। प्रावधान पर कुछ आलोचकों का कहना है कि लिव-इन संबंध व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय है और अनिवार्य पंजीकरण से निजता के अधिकार पर प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि राज्य को व्यक्तिगत संबंधों में अत्यधिक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

वहीं कुछ लोग इसे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम मानते हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मत है कि यदि इस कानून को संतुलित तरीके से लागू किया जाए, तो यह सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए, जिन्हें लिव-इन संबंध टूटने के बाद कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं हो पाता, यह कानून सहायक सिद्ध हो सकता है। दूसरी ओर, कानून बनाते समय व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के संवैधानिक अधिकारों का भी ध्यान रखना आवश्यक है।

कुछ सामाजिक विचारकों और पारंपरिक दृष्टिकोण रखने वाले लोगों के अनुसार लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता मिलने से विवाह संस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विवाह भारतीय समाज की एक प्राचीन और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था रही है, जो केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का भी संबंध मानी जाती है। यदि बिना विवाह के साथ रहने को कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है, तो युवाओं में विवाह के प्रति प्रतिबद्धता और उसकी सामाजिक महत्ता कम हो सकती है। लिव-इन संबंध अपेक्षाकृत कम औपचारिक और आसानी से समाप्त किए जा सकने वाले संबंध माने जाते हैं। इससे दीर्घकालिक पारिवारिक स्थिरता प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की जाती है। कुछ लोगों का मानना है कि इससे विवाह, परिवार और पारंपरिक सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों की आस्था कमजोर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, पारिवारिक जिम्मेदारियों, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा बच्चों के पालन-पोषण से जुड़ी पारंपरिक धारणाओं में भी परिवर्तन आ सकता है। यह एक दृष्टिकोण मात्र है।

कई विशेषज्ञों का मत है कि किसी भी संबंध की मजबूती केवल कानूनी व्यवस्था पर नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, जिम्मेदारी और सामाजिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसलिए विवाह संस्था पर वास्तविक प्रभाव समय के साथ सामाजिक परिवर्तनों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा। कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश में लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित प्रस्तावित कानून भारतीय समाज और कानूनी व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देता है। यह कानून एक ओर महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को मजबूत करने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार को लेकर नई बहस उत्पन्न हो गई है।

समय-समय पर डॉक्टर भी सजग करते रहे हैं कि अधिक उम्र में विवाह अनेक शारीरिक समस्या का कारण बनता है, खासतौर पर मां-बाप बनने में वहीं लिव-इन रिलेशनशिप में आप संतान उत्पत्ति के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन बच्चे के कानूनी अधिकार पर सब खामोश हैं और ऐसे में राज्य सरकार का प्रावधान अनुकूल है। भारतीय समाज में यह अंधानुकरण भविष्य के लिए खतरा साबित हो रहा है। रिश्तों में अविश्वास उत्पन्न हो गया और युवा वर्ग लिव-इन रिलेशनशिप में स्वतंत्रता को स्वच्छंदता समझ बैठा है।

(लेखक, मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं।)

सैमसंग ने लॉन्च किया म्यूज़िक स्टूडियो सीरीज

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई म्यूजिक स्टुडियो सीरीज लॉन्च की है। इस नई सीरीज में म्यूजिक स्टुडियो 5 (LS50H) और म्यूजिक स्टुडियो 7 (LS70H) नाम के दो वाई-फाई स्पीकर्स शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि ये स्पीकर्स बेहतरीन साउंड क्वालिटी और आकर्षक डिजाइन का मेल हैं, जो घर के किसी भी हिस्से में आसानी से फिट हो जाते हैं और दमदार ऑडियो अनुभव देते हैं। म्यूजिक स्टुडियो सीरीज, सैमसंग के ऑडियो प्रोडक्ट्स की नई पेशकश है। ये स्पीकर्स सैमसंग टीवी और साउंडबार के साथ आसानी से कनेक्ट होकर बेहतर ऑडियो अनुभव प्रदान करते हैं। इनका डिजाइन दुनिया के प्रसिद्ध डिजाइनर एर्वन बुरोलेक ने तैयार किया है। स्पीकर्स का खास डॉट डिजाइन

संगीत और कला से प्रेरित है, जो इन्हें स्टाइलिश और उपयोगी दोनों बनाता है।

सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट विप्लेश डांग ने कहा सैमसंग लंबे समय से भारत में नई ऑडियो तकनीक और स्मार्ट फीचर्स के जरिए होम ऑडियो अनुभव को बेहतर बना रहा है। नई म्यूजिक स्टुडियो सीरीज के साथ हम इसी दिशा में एक और कदम बढ़ा रहे हैं। ये स्पीकर्स हर तरह के घर और हर मौके के लिए दमदार, साफ और शानदार साउंड देने के लिए तैयार किए गए हैं। हमें विश्वास है कि यह सीरीज भारतीय ग्राहकों के ऑडियो अनुभव को नई ऊंचाई देगी। अनोखे डॉट डिजाइन के साथ दमदार साउंड

सैमसंग के म्यूजिक स्टुडियो सीरीज के दोनों नए स्पीकर्स, म्यूजिक स्टुडियो 5 और म्यूजिक स्टुडियो 7, को ऐसे डिजाइन किया गया है कि वे घर की सजावट के साथ भी अच्छी तरह मेल खाते हैं और बेहतरीन साउंड भी देते हैं। इन्हें सैमसंग टीवी और अन्य सैमसंग ऑडियो डिवाइस के साथ जोड़कर अलग-अलग साउंड सिस्टम तैयार किए जा सकते हैं, जिससे मनोरंजन का अनुभव और बेहतर हो जाता है।

निवा बूपा बना ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स का ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने आज ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर बनने की घोषणा की। इस साझेदारी के साथ ही कंपनी ने अपना ब्रांड अभियान सेटबैक से कमबैक तक शुरू किया जो ऐसे व्यक्तियों की दृढ़ता का उत्सव मनाता है, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं को पार कर दमदार वापसी की है। यह अभियान दृढ़ता, स्वास्थ्य सुधार और समग्र देखभाल के प्रति निवा बूपा के समर्पण का प्रतीक है। विश्व में अक्सर खिलाड़ियों की प्रशंसा तब होती है, जब वे किसी बड़े मंच पर अपना बेहतरीन प्रदर्शन दें।

लेकिन असली कमबैक की शुरूआत इससे बहुत पहले होती है, उनकी दृढ़ता, रिकवरी और सहयोगी वातावरण। यही अदम्य साहस और कर्मठता प्रतिदिन उन लाखों भारतीयों द्वारा दिखाई जाती है, जो किसी गंभीर बीमारी, दुर्घटना या किसी बड़ी सर्जरी से उभर रहे हों।

फिर चाहे बात कार्डियक सर्जरी की हो, एक्सीडेंट के बाद अपनी जिंदगी दोबारा बनाने की या हड्डी की सर्जरी के बाद दोबारा अपने पैरों पर खड़ा होना हो, फिर से जीवन को पटरी पर लाने की हर यात्रा एक कमबैक है, जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए।

यह नया अभियान भारत के दो सबसे खास खिलाड़ियों को साथ लाता है ओलंपिक मैडलिस्ट, पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी, दो बार कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मैडलिस्ट साइना नेहवाल, और ओलिंपिक मैडलिस्ट, वर्ल्ड चैंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मैडलिस्ट मीराबाई चानू। दोनों की निजी यात्राओं के माध्यम से यह अभियान यह संदेश देना चाहता है कि अचानक लगने वाले झटके विजेताओं को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन कभी उन्हें परिभाषित नहीं कर सकते।

यही वो जज्बा है जिसे निवा बूपा लाखों लोगों में रोज देखता है। पिछले 5 वित्तीय वर्षों में 37 लाख दावों के माध्यम से ग्राहकों को 14 हजार करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करके, कंपनी ने लाखों भारतीयों का उस वक़्त साथ दिया है, जब वे किसी बड़ी स्वास्थ्य संबंधी घटना से गुजरते हैं, और फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने की उनकी यात्रा में साथ खड़ा रहा है। अपनी इस नई उपलब्धि को लेकर निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के डिजिटल बिजनेस यूनिट के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर निमिष अग्रवाल ने कहा कि ग्लासगो 2026 के ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में यह साझेदारी निवा बूपा की मूल भावना को दर्शार्ती है स्वास्थ्य संबंधी झटके के बाद दमदार वापसी करने का आत्मविश्वास ज़िंदगी को क्लेम कर ले। ग्लासगो में भाग ले रहे प्रत्येक खिलाड़ी ने किसी न किसी चुनौती या बाधा को पार किया है। चाहे वह चोट हो, हार हो या आत्मसंदेह का दौर।

मैडल तो आखिरी पड़ाव है, असली कहानी होती है सेटबैक की, रिकवरी की और दमदार वापसी करने के संकल्प की। हम इसी जज्बे को सलाम करते हैं। हर दिन हम अपने ग्राहकों के जीवन में वही दृढ़ता देखते हैं, जब वे बड़ी सर्जरी, दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों पर विजय पाकर अपने सबसे खास लोगों और अनमोल पलों के बीच फिर से लौटते हैं।

सेटबैक से कमबैक तक का हमारा अभियान इन्हीं प्रेरणादायक कहानियों का उत्सव मनाता है और हमारे उस विश्वास को और भी मजबूत करता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और सही सहयोग प्रणाली लोगों को आत्मविश्वास के साथ स्वस्थ होने तथा अपनी जिंदगी को फिर से पूरी तरह जीने में सक्षम बनाती है। यह अभियान उन खिलाड़ियों के अनुभव से प्रेरणा लेता है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि सेटबैक और रिकवरी दोनों ही आगे बढ़ने की यात्रा का हिस्सा हैं। उनके अनुभवों को सामने लाकर निवा बूपा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और रिकवरी से जुड़े अहम मुद्दों को खेल की दुनिया से बाहर आम लोगों तक लाना चाहता है।

इस अभियान को लेकर ओलंपिक मैडलिस्ट और पूर्व में विश्व की नंबर वन बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुकी साइना नेहवाल ने कहा कि लोग अक्सर मैडल और जीत को याद रखते हैं। लेकिन सभी खिलाड़ी जानते हैं कि असली जंग कोर्ट और टूनार्मेंट के बाहर लड़ी जाती है।

चोट सिर्फ आपके शरीर को नहीं बल्कि आपके विश्वास और धैर्य की भी परीक्षा लेती है। रिकवरी अनुशासन, विश्वास और सहयोगी वातावरण की मांग करती है। इसीलिए यह अभियान मुझसे बेहद गहराई से जुड़ा हुआ है। यह लोगों को याद दिलाता है कि कमबैक कोर्ट पर कदम रखने के बहुत पहले ही शुरू हो जाता है। असली चैंपियन रिकवरी के दौरान ही बनते हैं।

सिटी स्टोर के उद्घाटन के साथ IKEA ने दिल्ली में अपना विस्तार किया

IKEA इंडिया ने 30 जुलाई 2026 को डीएलएफ एवेन्यू, साकेत में दिल्ली के अपने दूसरे सिटी स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की है। ई-कॉमर्स सेवा और पश्चिमी दिल्ली में अपने पहले स्टोर को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, क्डएअ अब अधिक ग्राहकों तक अच्छी डिजाइन, बेहतर गुणवत्ता, किफायती कीमत और टिकाऊ घरेलू साज-सज्जा के समाधान पहुँचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ा रहा है।

30,000 वर्ग फुट (2,800 वर्ग मीटर) में फैला यह सिटी स्टोर दक्षिण और मध्य दिल्ली के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव प्रदान करता है। ग्राहक यहाँ लगभग 3,000 उत्पाद देख और खरीद सकते हैं, जिनमें से करीब 1,400 उत्पाद तुरंत साथ ले जाने के लिए उपलब्ध हैं। वहीं, IKEA के 6,900 से अधिक उत्पादों की पूरी श्रृंखला क्डएअ की वेबसाइट, ऐप और शॉप बाय फोन सेवा के माध्यम से ऑर्डर की जा सकती है।

IKEA इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी ने कहा साकेत और डीएलएफ एवेन्यू, दिल्ली में क्डएअ के लिए एक स्वाभाविक नए ठिकाने की तरह हैं। राजधानी में अपने दूसरे सिटी स्टोर के साथ हम अधिक ग्राहकों के लिए हमारे उत्पादों को देखना, नए आइडिया पाना और उनकी जीवनशैली तथा बजट के अनुरूप घरेलू साज-सज्जा के समाधान चुनना और भी आसान बना रहे हैं।

ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप अनुभव तैयार करने के लिए हमारी टीमों ने दक्षिण दिल्ली के कई घरों का दौरा किया, ताकि लोगों की रोजाना की चुनौतियों, सपनों और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके। यह उद्घाटन ग्राहकों के और करीब आने तथा अधिक से अधिक लोगों के लिए बेहतर दैनिक जीवन बनाने की हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

डीएलएफ रिटेल की ग्रुप एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और DCCDL की पूर्णकालिक निदेशक सुश्री पुष्पा बेक्टर ने कहा डीएलएफ एवेन्यू लगातार नए रूप में सामने आ रहा है, ताकि यह ऐसी जगह बन सके जो हमारे ग्राहकों की बदलती जीवनशैली और उनकी पसंद के अनुरूप हो। क्डएअ का यहाँ आना हमारे लिए एक अहम उपलब्धि है। इससे एक ही जगह पर दुनिया के जाने-माने ब्रांड और अलग-अलग तरह के खास अनुभव उपलब्ध कराने की हमारी सोच को और मजबूती

मिलती है। हमारा लक्ष्य ऐसी जीवंत जगह तैयार करना है, जहाँ खरीदारी, स्वादिष्ट भोजन, मनोरंजन और हर दिन की ज़िंदगी से जुड़े अनुभव आसानी से एक साथ मिल सकें।

यह नया स्टोर दिल्ली-एनसीआर में अपनी शुरूआत के बाद क्डएअ द्वारा प्राप्त अनुभवों और इस क्षेत्र में 3 लाख से अधिक IKEA फैमिली सदस्यों के बढ़ते समुदाय के आधार पर विकसित किया गया है। दक्षिण दिल्ली में लोगों के रहने के विविध तरीकों–बड़े संयुक्त परिवारों वाले घरों से लेकर छोटे शहरी अपार्टमेंट तक को ध्यान में रखते हुए, स्टोर को ऐसे प्रेरणादायक कमरों की सजावट और घरेलू साज-सज्जा के समाधानों के साथ तैयार किया गया है, जो घर में दैनिक ज़िंदगी को अधिक आसान बनाते हैं। ग्राहक यहाँ प्लानिंग और घरेलू साज-सज्जा संबंधी सेवाओं, डिलीवरी, असेंबली और इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। खरीदारी के बाद वे क्डएअ ंडक्व में लोकप्रिय स्वीडिश व्यंजनों और स्थानीय स्वाद का आनंद लेकर आराम भी कर सकते हैं।

दक्षिण दिल्ली शहर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित इलाकों का घर है, जहाँ लोगों के घर उनकी व्यक्तिगत पसंद और जीवनशैली को दर्शाते हैं। स्वतंत्र मकानों और बिल्डर फ़्लोर से लेकर आधुनिक अपार्टमेंट तक, लोग अपने घरों को सोच-समझकर सजाते हैं और उन्हें समय-समय पर नया रूप देते रहते हैं, बजाय इसके कि वे पूरी तरह से बदलाव का इंतजार करें। यहाँ ऐसे डिजाइन, प्राकृतिक सामग्रियों और उन उत्पादों की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है, जो आकर्षक होने के साथ-साथ रोजाना उपयोग में भी व्यावहारिक हों। जैसे-जैसे घरों का उपयोग बदल रहा है, वैसे-वैसे बड़े घरों को भी कई तरह की जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं। अतिरिक्त बेडरूम अब होम ऑफिस या गेस्ट रूम बन रहे हैं, घर के शांत कोने पढ़ने या शौक पूरे करने की जगह में बदल रहे हैं, जबकि बालकनी और टैरेस घर का ही एक विस्तार बनते जा रहे हैं। मेहमानों की मेजबानी भी आज लोगों की जीवनशैली का अहम हिस्सा बनी हुई है। ऐसे में ऐसे फर्नीचर और स्टोरेज समाधानों की मांग बढ़ रही है, जो बदलती जरूरतों के अनुसार आसानी से ढल जाएँ और साथ ही घर की खूबसूरती व शैली भी बरकरार रखें। इन्हीं स्थानीय जानकारियों और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर साकेत स्थित IKEA सिटी स्टोर तैयार किया गया है। आज के बदलते जीवन-तरीके के अनुरूप डिजाइन किया गया यह स्टोर प्रेरणादायक कमरों की सजावट और स्मार्ट, किफायती घरेलू साज-सज्जा के समाधान उपलब्ध कराता है। इससे ग्राहक ऐसे घर सजा सकते हैं, जो सुंदर, उपयोगी और लचीले हों–ऐसी जगहें जो हर रोज की बदलती जरूरतों के साथ विकसित होती रहें और साथ ही उनकी अपनी अलग शैली को भी दर्शाएँ।

IKEA ने 2025 में ई-कॉमर्स के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में अपनी शुरूआत की थी और तब से इस क्षेत्र में लगातार अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है। आज ग्राहक इसके डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी कर सकते हैं, दिल्ली में इसके दो सिटी स्टोर पर जा सकते हैं और गुरुग्राम स्थित सेंट्रल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर की सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। वहीं, इंगा सेंटर्स के तहत गुरुग्राम और नोएडा में बड़े फॉर्मेट वाले स्टोर विकसित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, क्डएअ दिल्ली-एनसीआर के अधिक से अधिक लोगों तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए अपने दीर्घकालिक निवेश को लगातार आगे बढ़ा रहा है। IKEA की मूल कंपनी Ingka Group के लिए भारत भविष्य के विकास के प्रमुख बाजारों में से एक है। IKEA इंडिया का उद्देश्य अपनी मजबूत ओमनीचैनल मौजूदगी और लोगों के घरेलू जीवन की गहरी समझ के आधार पर देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना है। इसके लिए वह 6,400 से अधिक सोच-समझकर डिजाइन किए गए, अच्छी गुणवत्ता वाले, किफायती और टिकाऊ उत्पाद उपलब्ध कराता है। वर्तमान में IKEA भारत के चार प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। कंपनी के हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरु में तीन बड़े फॉर्मेट वाले स्टोर हैं। इसके अलावा, वर्ली, पश्चिमी दिल्ली, पुणे और अब दक्षिण दिल्ली में चार सिटी स्टोर तथा बेंगलुरु में एक प्लान एंड ऑर्डर पॉइंट है। IKEA महाराष्ट्र (पुणे सहित), आंध्र प्रदेश-तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली-एनसीआर, आगरा, प्रयागराज (इलाहाबाद), अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना, वाराणसी, गोवा और तमिलनाडु के सैकड़ों पिन कोड क्षेत्रों में कार्बन-मुक्त डिलीवरी की सुविधा प्रदान कर रहा है। कंपनी के भारत में दो डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर भी हैं–एक पुणे में और दूसरा गुरुग्राम में।

सिंधी कांउसिल ऑफ इंडिया
Regn. No. : S-34749
द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
को गरीब, असहाय व जरुरतमंद परिवारों के लिए
भण्डारा, कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामग्री
वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।
वितरण स्थान : 10ए, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–08
इस पूनीत कार्य में हमारे साथ सहयोगी संस्था
मीडिया प्रेस क्लब

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

जाने फ्लू वायरस मानव कोशिकाओं को कैसे नियंत्रित करता है?

नई स्टडी में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया भर में हर साल 3-5 मिलियन लोग इन्फ्लुएंजा यानी फ्लू की चपेट में आते हैं। इनमें से करीब 6.5 लाख लोगों की मौत भी हो जाती है। खासकर इन्फ्लुएंजा ए वायरस कई बार बड़ी महामारियों का कारण बन चुका है। अब वैज्ञानिकों ने यह समझने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है कि यह वायरस मानव कोशिकाओं के भीतर कैसे फैलता है और उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार कैसे नियंत्रित करता है। यह अध्ययन जर्नल नेचर माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। यूरोपियन मॉलेक्यूलर बायोलॉजी लेबोरेटरी (ईएमबीएल) हैम्बर्ग और लाइबनिज रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी (एफएमपी) के शोधकर्ताओं ने पहली बार यह पता लगाया है कि फ्लू वायरस संक्रमित इंसानी कोशिकाओं के अंदर मौजूद प्रोटीन के साथ किस तरह संपर्क बनाता है। वैज्ञानिकों ने एक खास तकनीक की मदद से यह देखा कि वायरस और इंसानी कोशिकाओं के प्रोटीन आपस में कैसे जुड़ते हैं और वायरस इस व्यवस्था का अपने पक्ष में कैसे इस्तेमाल करता है।

आमतौर पर जब वैज्ञानिक वायरस और कोशिकाओं के बीच होने वाली गतिविधियों का अध्ययन करते हैं तो उन्हें कोशिकाओं को तोड़ना पड़ता है। इसके बाद ही वे अंदर मौजूद प्रोटीन की जांच कर पाते हैं। लेकिन इस तरीके में एक समस्या होती है। कोशिका टूटने के बाद कई ऐसे संपर्क दिखाई दे सकते हैं जो असल में शरीर के अंदर कभी हुए ही नहीं थे। वहीं कुछ जरूरी और कमजोर संपर्क नष्ट हो जाते हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने क्रॉस-लिंकिंग मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एक्सएल-एमएस) नाम की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इस तकनीक की खास बात यह है कि इससे संक्रमित कोशिका को तोड़े बिना ही यह देखा जा सकता है कि कौन सा प्रोटीन किसके संपर्क में है। ईएमबीएल हैम्बर्ग के वैज्ञानिक ने बताया कि इस तरीके से पहली बार फ्लू वायरस और इंसानी कोशिकाओं के बीच होने वाले सीधे संपर्कों को उसी स्थिति में देखा गया, जैसी स्थिति संक्रमण के दौरान शरीर के अंदर होती है। शोधकर्ताओं ने इसके बाद कंप्यूटर मॉडलिंग की मदद से यह भी समझने की कोशिश की कि वायरस और इंसानी प्रोटीन संरचनात्मक रूप से किस प्रकार एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं। इसके लिए उन्होंने अल्फाफोल्ड तकनीक के एक विशेष रूप का इस्तेमाल किया। यह वही तकनीक है जो प्रोटीन की संरचना समझने के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

अध्ययन में दो महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए। पहला, वायरस का प्रमुख प्रोटीन हीमैग्लूटिनिन मानव कोशिकाओं के भीतर किस प्रकार अपना मार्ग बनाता है। यही प्रोटीन वायरस को कोशिका से जुड़ने और उसके भीतर प्रवेश करने में मदद करता है। शोध में पाया गया कि मानव कोशिकाओं के कुछ प्रोटीन हीमैग्लूटिनिन को सही ढंग से तैयार होने और उसकी संरचना विकसित करने में सहायता करते हैं। इनमें से कुछ प्रोटीन की भूमिका के बारे में पहले बहुत कम जानकारी उपलब्ध थी। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज भविष्य में वायरस रोधी दवाओं के नए लक्ष्य विकसित करने में सहायक हो सकती है। दूसरा महत्वपूर्ण निष्कर्ष कोशिका के केंद्र (न्यूक्लियस) में मौजूद पैरास्पेक्ल्स से जुड़ा है। अध्ययन में पाया गया कि इन्फ्लुएंजा ए वायरस संक्रमण के दौरान इन संरचनाओं को विघटित कर देता है।

पैरास्पेक्ल्स कोशिका के न्यूक्लियस में मौजूद ऐसे ढांचे होते हैं जो कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं।

इनमें आरएनए से जुड़े प्रोटीन मौजूद होते हैं। वायरस संक्रमण के दौरान इन पैरास्पेक्ल्स को तोड़ देता है, जिससे अंदर मौजूद प्रोटीन बाहर निकल जाते हैं और वायरस उनका इस्तेमाल अपनी संख्या बढ़ाने के लिए कर सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पैरास्पेक्ल्स को खत्म करने से वायरस को दोहरा फायदा मिलता है। एक तरफ उसे अपनी बढ़ोतरी के लिए जरूरी संसाधन मिल जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ कोशिका की वायरस से लड़ने वाली प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तरीका सिर्फ फ्लू वायरस तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में इसका इस्तेमाल दूसरे खतरनाक वायरस को समझने के लिए भी किया जा सकता है, जिनमें महामारी फैलाने की क्षमता रखने वाले वायरस भी शामिल हैं।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुई यामी गौतम

'सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा'

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।'

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे। इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

सीआईएससीई रीजनल गर्ल्स एथलेटिक मीट का हुआ शुभारम्भ

प्रदेश के विभिन्न जिलों से 450 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हैं शामिल

ग्रेटर नोएडा, 21 जुलाई (देशबन्धु)। सेंट जोसेफ्स स्कूल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित सीआईएससीई रिजनल एथलेटिक मीट(गर्ल्स) 2026 का शुभारंभ उत्साह के साथ हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न जोनों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश राज्य के नौ अलग अलग क्षेत्रों- मेजवान क्षेत्र गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर-उत्तर, कानपुर-दक्षिण, लखनऊ-उत्तर, लखनऊ दक्षिण, प्रयागराज, आगरा व वाराणसी के लगभग 450 खिलाड़ी हिस्सा लिया है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, विद्यालय एवं रीजनल स्पोर्ट्स ध्वज फहराने, प्रधानाचार्य फादर जिप्सन पलाटी के स्वागत उद्बोधन, विद्यालय के कोयर दल द्वारा स्वागत गीत, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के प्रेरणादायी संबोधन, खिलाड़ियों की शपथ तथा प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. ऋचा सूद, प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, अंतरराष्ट्रीय एथलीट एवं लेखिका हैं। वे सीबीएसई नेशनल अवार्डी प्रिंसिपल (2011) तथा गाजियाबाद की प्रथम महिला एशियन मेडलिस्ट शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ जीवनशैली का आधार हैं। उन्होंने छात्राओं को खेल एवं शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पहले दिन के परिणाम में अंडर-14 ऊंची कूद में प्रथमदृ अयोना चौधरी (प्रयागराज), द्वितीय, एलिक्स भाटी (गाजियाबाद), तृतीय, उत्तरा पाल (कानपुर नॉर्थ)। अंडर-14 गोला फेंक में प्रथम, आराध्या

कपूर (कानपुर नॉर्थ), द्वितीय, दीपिका चौहान (गाजियाबाद), तृतीयदृ प्रियांशी (गाजियाबाद)। अंडर-17 400 मीटर दौड़, प्रथम, तृप्ति प्रेमी (गाजियाबाद), द्वितीय, गोरी (मेरठ), तृतीय, आशिनी देव यादव (वाराणसी)। अंडर-17 ऊँची कूद में प्रथम, नित्या सिंह (वाराणसी), द्वितीय, गौरी भासर (मेरठ), तृतीय तफीदा समद (प्रयागराज)। अंडर-19, 400 मीटर दौड़ में प्रथम जिया नाज (मेरठ), द्वितीय अनन्या भारती (कानपुर साउथ), तृतीय, सौम्या पाल (कानपुर नॉर्थ)। अंडर-19 गोला फेंक प्रथम अनन्या सक्सेना (मेरठ), द्वितीय प्राप्ति गुप्ता (प्रयागराज), तृतीय परिधि सिंह (वाराणसी)। अंडर-19 के 3000 मीटर दौड़ में प्रथम, पावनी अवस्थी (कानपुर नॉर्थ), द्वितीय, ऐशलिन विनिफ्रेड सिरिल (गोरखपुर), तृतीय, दिक्षिका शर्मा (कानपुर नॉर्थ)। इस अवसर पर गाजियाबाद जोन समन्वयक फादर मोसेस, गोरखपुर जोन समन्वयक डेविड सिरिल, विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जिप्सन पलाटी, खेल विभाग के अधिकारी, निर्णायक मंडल, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पंकज त्रिपाठी की 'ओह माय डॉग' में दिखेगा इंसान और डॉग का खास रिश्ता, बोले- 'यह कहानी दिल को छू लेने वाली है'

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अब वह अपनी आने वाली फिल्म 'ओह माय डॉग' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर पंकज त्रिपाठी ने बताया कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंसान और डॉगी के बीच बने भावनात्मक रिश्ते को दिखाने वाली कहानी है।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान पंकज त्रिपाठी ने बताया कि जब निर्देशक अमित राय उनके पास इस फिल्म की कहानी लेकर आए तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। अभिनेता ने कहा, 'मैंने इससे पहले अमित राय के साथ फिल्म 'ओह माय गॉड 2' में काम किया था। जब अमित ने 'ओह माय डॉग' की कहानी सुनाई तो मुझे यह बेहद खास लगी। मैंने अमित से कहा कि मैं फिल्म करूंगा, चाहे मेरा किरदार कुछ भी हो। इंसान और डॉगी के बीच का रिश्ता बहुत अनोखा होता है। एक पालतू जानवर अपने मालिक से बिना किसी शर्त के प्यार करता है। वह सिर्फ साथ नहीं देता, बल्कि परिवार का हिस्सा बन जाता है। यह इसी खूबसूरत भावना को दिखाने वाली फिल्म है।'

निर्देशक अमित राय ने भी ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म की कहानी को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, 'मेरा उद्देश्य ऐसी कहानी बनाना था, जिससे हर परिवार जुड़ सके। बच्चे और डॉग्स के बीच की दोस्ती दुनिया के सबसे साफ और प्यारे रिश्तों में से एक होती है। इस फिल्म के जरिए मैं दर्शकों को हंसाना भी चाहता हूं और भावुक भी करना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि फिल्म देखने के बाद लोगों के मन में जानवरों के प्रति ज्यादा प्यार और संवेदनशीलता पैदा होगी।''

राष्ट्रीय सीपीआर दिवस पर लोगों को दिया गया बेसिक लाइफसपोर्ट प्रशिक्षण

ग्रेटर नोएडा, 21 जुलाई (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, कासना में राष्ट्रीय सीपीआर दिवस पर मंगलवार को आईएपी सीपीआर संजीवनी मास अवेयरनेस कैंपेन आयोजित किया गया। इसमें 250 लोगों को सीपीआर और बेसिक लाइफसपोर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर (डॉ.) राकेश गुप्ता ने बताया कि दनकौर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 100 शिक्षकों को कार्डियक अरेस्ट की पहचान, आपातकालीन सहायता बुलाने और शुरुआती सीपीआर देने की तकनीक सिखाई गई। प्रशिक्षण के दौरान मैनिकिन (डमी) पर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। इसके अलावा 100 एमबीबीएस छात्रों और 50

पैरामेडिकल कर्मियों को भी जीवन-रक्षक तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। पीडियाट्रिक्स और एनेस्थीसिया विभाग के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण का संचालन किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि समय पर दिया गया सीपीआर अचानक कार्डियक अरेस्ट के मरीज की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ा सकता है।

जापान में पहली बार दर्ज हुआ 'कोकुशोबी' दिन, तीन शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार

टोक्यो, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जापान में मंगलवार को भीषण गर्मी का नया रिकॉर्ड दर्ज किया गया। देश के मध्य हिस्से के तीन शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसके साथ ही जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) की ओर से इस साल की शुरुआत में पेश किए गए नए शब्द 'कोकुशोबी' के तहत देश का पहला 'अत्यंत गर्म दिन' आधिकारिक रूप से दर्ज हुआ।

पेश किए गए नए शब्द 'कोकुशोबी' के तहत देश का पहला 'अत्यंत गर्म दिन' आधिकारिक रूप से दर्ज हुआ

क्योडो न्यूज एजेंसी ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि एक हाई-प्रेशर सिस्टम के कारण पूरे जापानी द्वीपसमूह के बड़े हिस्से में गर्म हवा का प्रभाव बढ़ गया। इसके

चलते गिफू प्रांत के ताजिमी शहर में तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस, गुजो शहर में 40.0 डिग्री सेल्सियस और आइची प्रांत के टोयोदा शहर में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम एजेंसी ने अप्रैल में 'कोकुशोबी' शब्द को शामिल किया था। इसका इस्तेमाल उन दिनों के लिए किया जाता है जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पहुंच जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को अत्यधिक गर्मी के खतरों के प्रति पहले से अधिक प्रभावी तरीके से सचेत करना है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बुधवार से देश के कई हिस्सों में तापमान ऊंचा बना रह सकता है। एजेंसी ने लोगों से हीट स्ट्रोक और गर्मी से जुड़ी अन्य बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। जापान के कुल 914 मौसम निगरानी केंद्रों में से मंगलवार दोपहर 3 बजे तक 731 केंद्रों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। इनमें से 272 स्थानों पर तापमान इतना अधिक रहा कि उन्हें 'मोशोबी ', यानी 'अत्यधिक गर्म दिन' की श्रेणी में रखा गया।

शरीर का संतुलन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए अपनाएं 'वशिष्ठासन', ऐसे करें अभ्यास

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। वशिष्ठासन योगासन एक ऐसा शक्तिशाली आसन है, जो शारीरिक शक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। यह एक साइड-प्लैंक अभ्यास नहीं है बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देकर आंतरिक संतुलन पाने का मार्ग है। वशिष्ठासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है। 'वशिष्ठ' का अर्थ है 'श्रेष्ठ' या 'सबसे उत्तम' और 'आसन' का अर्थ है 'बैठने या शरीर की मुद्रा'। अंग्रेज़ी में इसे साइड प्लैंक पोज कहा जाता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का भार एक हाथ और पैर के बाहरी किनारे पर संतुलित रहता है। सिर से लेकर एड़ी तक शरीर एक सीधी तिरछी रेखा बनाता

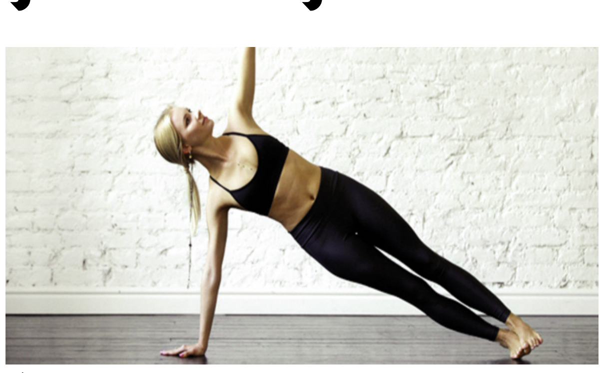

है, दूसरा हाथ सीधा ऊपर की ओर रहता है और नजर ऊपर उठे हुए हाथ की ओर होती है। यह आसन शरीर में संतुलन, स्थिरता और एकाग्रता विकसित करता है। आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन के महत्व पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, वशिष्ठासन (साइड प्लैंक) संतुलन और शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाला एक प्रमुख योगासन है। यह मुद्रा शरीर के संतुलन, एकाग्रता और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से चलने, खड़े रहने और लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने के दौरान भी शरीर की मुद्रा (पोश्चर) सुधरती है और संतुलन पहले से बेहतर हो जाता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं और दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को हथेलियों के सहारे कूल्हों के पास जमीन पर टिका लें। अपने शरीर के पूरे वजन को धीरे-धीरे दाहिनी हथेली और दाहिने पैर के बाहरी हिस्से पर स्थानांतरित करें। अब अपने बाएं पैर को दाहिने पैर के ऊपर बिल्कुल सीधा रख लें (ताकि दोनों पैर एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं)।

घुटनों के दर्द और जकड़न से हैं परेशान? आयुष मंत्रालय ने बताई आसान 'नी मूवमेंट'

अगर आपको सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में घुटनों में दर्द होता है, लंबे समय तक बैठने के बाद उठने में परेशानी होती है या घुटनों में जकड़न महसूस होती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आयुष मंत्रालय ने एक आसान 'नी मूवमेंट' साझा किया है, जिसे नियमित रूप से करने से घुटनों की सेहत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि घुटनों से जुड़ी परेशानियों से राहत पाने के लिए 'नी मूवमेंट' एक बेहतरीन आसान है। इसे करते समय सही तरीके से सांस लेते हुए तथा शरीर का सही अलाइनमेंट बनाए रखकर करना चाहिए। इससे शरीर के निचले हिस्से को मजबूती मिलती है और रोजमर्रा के काम जैसे चलना, बैठना और उठना आसान हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और शरीर को सामान्य स्थिति में रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को सामने की ओर कंधों की ऊंचाई तक उठाएं।

समय पर पहचान और स्वस्थ जीवनशैली से बचाए जा सकते हैं कई दिमागी रोग

ग्रेटर नोएडा, 21 जुलाई (देशबन्धु)। आज के दौर में स्ट्रोक, माइग्रेन, मिर्गी, पार्किंसंस, डिमेंशिया और नसों से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी विभाग में हर महीने बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आते हैं। युवाओं में भी स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं, जिसका प्रमुख कारण हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, तनाव, धूम्रपान और अस्वस्थ जीवनशैली है। यदि अचानक शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, चेहरा टेढ़ा होना, बोलने में परेशानी, तेज सिरदर्द, चक्कर आना या संतुलन बिगड़ने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए। दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। साथ ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। वर्ल्ड ब्रेन डे पर सभी से अपील है कि दिमाग की सेहत को भी उतनी ही प्राथमिकता दें जितनी हृदय की सेहत को देते हैं।

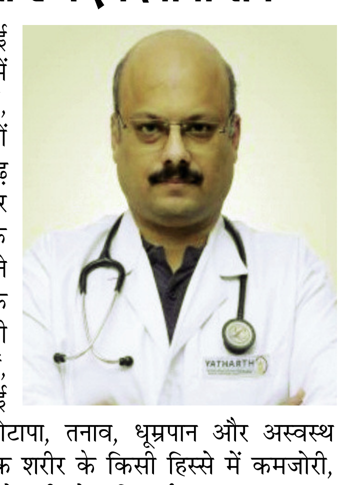

हवाई यात्रियों की संख्या जून में घटकर 1.34 करोड़ हुई

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या जून में घटकर 1.34 करोड़ रह गयी है। साथ ही वित्तीय संकट से जूझ रही स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी घटकर दो प्रतिशत से कम रह गयी है। इस साल मई में एक करोड़ 53 लाख 90 हजार के मासिक रिकॉर्ड के बाद हवाई यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी है।

इस साल मई में एक करोड़ 53 लाख 90 हजार के मासिक रिकॉर्ड के बाद हवाई यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जून में एक करोड़ 34 लाख 64 हजार लोगों ने हवाई सफर किया। यह जून 2025 के एक करोड़ 36 लाख चार हजार की तुलना में 1.03 प्रतिशत कम है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीने में जनवरी से जून के दौरान घरेलू विमान सेवा कंपनियों ने आठ करोड़

■ स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी दो प्रतिशत से कम हुई

64 लाख चार हजार यात्रियों को सेवा प्रदान की है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में यह 1.44 प्रतिशत अधिक है। साल 2025 की पहली छमाही में आठ करोड़ 51 हजार 74 लोगों ने हवाई सफर किया था। जून में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी मई के 64.9 प्रतिशत से बढ़कर 66.3 प्रतिशत पर पहुंच गयी, यानी कुल यात्रियों में 66.3 प्रतिशत ने उसकी उड़ानों में सफर किया। वहीं, एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत से घटकर 23.9 प्रतिशत रह गयी। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी एक महीने पहले के 5.8 फीसदी से बढ़कर 6.4 फीसदी हो गयी। स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी लगातार घटते हुए अब दो प्रतिशत से कम रह गयी है। यह जून में 1.9 प्रतिशत रही। मई में यह 2.5 प्रतिशत रही थी। देश के 10 बड़े हवाई अड्डों से समय पर उड़ान भरने के मामले में इंडिगो सबसे आगे रही। उसकी 89.4 प्रतिशत उड़ानें समय से रवाना हुईं। इन 10 बड़े हवाई अड्डों में बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, कोचीन, गुवाहाटी और लखनऊ शामिल हैं।

एयर इंडिया समूह, जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं, 85.9 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद क्रमशः अकासा एयर (82.7 प्रतिशत), अलायंस एयर (74.7 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (33.5 प्रतिशत) का स्थान रहा। भरी हुई सीटों के अनुपात (पीएलएफ) के मामले में अकासा एयर का प्रदर्शन सबसे अच्छा बना हुआ है। उसकी 92.2 प्रतिशत सीटें जून में भरी गयीं। स्पाइसजेट 87.8 प्रतिशत के साथ दूसरे और एयर इंडिया समूह 85.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मछली उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) से देश में मछली उत्पादन बढ़कर 2024-25 में 197.75 लाख टन हो गया है, जो कि 2023-24 में 141.64 लाख टन था। लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से देश में मत्स्यपालन और जलीय कृषि क्षेत्र के समग्र विकास हेतु 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)' लागू की है। पिछले छह वर्षों की कार्यान्वयन अवधि के दौरान, इस योजना ने देश में मछली उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

■ इस योजना ने देश में मछली उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया

उन्होंने आगे बताया कि पीएमएमएसवाई में लाभार्थी-केन्द्रित गतिविधियों के तहत महिला लाभार्थियों को इकाई लागत के 60 प्रतिशत तक की ऊंची वित्तीय सहायता देकर समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जाता है। इस योजना के तहत, पिछले छह वित्तीय वर्षों (2020-21 से 2025-26) के दौरान, विभिन्न राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों में कुल 1,47,654 महिला लाभार्थियों को शामिल करने हेतु 4178.30 करोड़ रुपए की मत्स्यपालन विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मत्स्यपालन और जलीय कृषि हेतु कोल्ड चेन एवं विपणन संबंधी अवसंरचना सुविधाओं का विकास, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्यपालन विभाग द्वारा लागू की जा रही विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं के मुख्य क्षेत्रों में से एक है। भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग ने देश में कोल्ड चेन और विपणन संबंधी सुविधाओं के विकास हेतु 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)' और 'मत्स्यपालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ)' के तहत अप्रैल 2026 तक 2,797 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मंजूर की गई मुख्य गतिविधियों में सभी राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों में 775 कोल्ड स्टोरेज एवं आइस प्लांट; मछली परिवहन सुविधाओं की 28,489 इकाइयां (जैसे आइस बॉक्स वाली 13,718 मोटरसाइकिलें, आइस बॉक्स वाली 8,527 साइकिलें, 4,257 ऑटो-रिक्शा, 1,577 इंसुलेटेड ट्रक और 410 रेफ्रिजरेटेड ट्रक); 1,394 जीवित मछली बिक्री इकाइयां; 6,018 मछली कियोस्क; 117 खुदरा मछली बाजार; और 24 थोक मछली बाजार शामिल हैं।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस इंडस्ट्रीज	1.48 प्रतिशत
भारतीय स्टेट बैंक	1.48 प्रतिशत
टीसीएस	1.32 प्रतिशत
इंफोसिस	1.24 प्रतिशत
ट्रेंट	1.10 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,42,254
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,19,575
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.58	94.50
पौंड स्टर्लिंग	132.22	127.60
यूरो	112.21	108.05
चीन युआन	15.13	13.41

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

2026 में खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा 658 लाख हेक्टेयर के पार

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ सीजन में 17 जुलाई तक खरीफ फसलों की कुल बुवाई का रकबा 658.19 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 700.47 लाख हेक्टेयर था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक धान की बुवाई 166.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 167.83 लाख हेक्टेयर थी। बुवाई क्षेत्र में आई इस कमी का मुख्य कारण इस वर्ष एल नीनो मौसमीय प्रभाव के कारण कमजोर मानसून को माना गया है।

इसी तरह, उड़द और मूंग जैसी दलहनी फसलों का बुवाई क्षेत्र भी घटकर 69.23 लाख हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 81.52 लाख हेक्टेयर था। ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाज (श्री अन्न/मिलेट्स) का बुवाई क्षेत्र भी मौजूदा सीजन में अब तक 98.69 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 127.30 लाख हेक्टेयर से कम है। पहले बोई जाने वाली वार्षिक फसल गन्ने का रकबा इस वर्ष अब तक 119.03 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 134.09 लाख हेक्टेयर था।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके।

एबीएसपीएलआई योजनाओं से आया 2.4 लाख करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं के तहत 31 मार्च, 2026 तक 14 प्रमुख क्षेत्रों में 2.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है। इन योजनाओं से 14.15 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। साथ ही, 15.2 लाख करोड़ रुपए मूल्य का निर्यात संभव हुआ है। यह जानकारी सरकार की ओर से संसद में दी गई।

लोकसभा में एक लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि पीएलआई योजनाएं 1.91 लाख करोड़ रुपए के स्वीकृत वित्तीय परिव्यय के साथ शुरू

■ 14 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए

की गई थीं। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) इन योजनाओं के समन्वय और निगरानी के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जबकि इनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित मंत्रालयों के पास है। सरकार के अनुसार, पीएलआई कार्यक्रम के तहत निर्यात में पिछले तीन वर्षों के दौरान तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में 4 लाख करोड़ रुपए का निर्यात बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2025-26 में 15.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह ग्लोबल वैल्यू चेन्स में भारत की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। योजना के तहत शामिल 14 क्षेत्रों में उच्च दक्षता वाले सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल क्षेत्र ने सबसे अधिक 64,873 करोड़ रुपए का संचयी निवेश आकर्षित किया। इसके बाद फार्मास्यूटिकल्स में 45,158 करोड़ रुपए और ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र में 44,326 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। स्पेशियलिटी स्टील क्षेत्र में 23,896 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ, जबकि बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 20,580 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित हुआ।

सार संक्षेप

अदाणी टोटल गैस की आय जून तिमाही में 27 प्रतिशत बढ़ी, मुनाफा 133 करोड़ रुपए रहा

अहमदाबाद। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी की स्टैंडअलोन आय सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 1,910 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, कंपनी का कर के बाद मुनाफा 133 करोड़ रुपए रहा है। मजबूत मुनाफे के साथ कंपनी ने वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में 281 करोड़ रुपए का ईबीआईटीडीए दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि चालू तिमाही के दौरान उसका परिचालन प्रदर्शन मजबूत रहा। स्टैंडअलोन आधार पर सीएनजी और पीएनजी की संयुक्त बिक्री मात्रा सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 303 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एमएमएससीएम) रही। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एटीजीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय पंडिता ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन किया।

मारुति सुजुकी का बड़ा ऐलान, गाड़ियों की कीमतों को 30,000 रुपए तक बढ़ाया

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने इस बढ़ोतरी की वजह लागत में इजाफे को बताया है और यह अगस्त, 2026 से लागू होगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में दायर की फाइलिंग में मारुति सुजुकी ने कहा कि लगातार बढ़ती लागत के चलते कीमतों में संशोधन आवश्यक हो गया है। कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से वह विभिन्न लागत-कटौती उपायों के जरिए बढ़ी हुई लागत का बोझ अपने स्तर पर वहन करने का प्रयास कर रही थी।

आइकिया साकेत में खोलेगी दिल्ली का दूसरा स्टोर

नई दिल्ली। घरेलू साज-सज्जा के सामान बनाने वाली कंपनी आइकिया इंडिया ने मंगलवार को दक्षिणी दिल्ली के साकेत में शहर का अपना दूसरा सिटी स्टोर खोलने की घोषणा की। पश्चिमी दिल्ली में कंपनी का स्टोर पहले से है। साकेत के डीएलएफ एवेन्यू मॉल में खुला कंपनी का नया स्टोर 30,000 वर्ग फुट में फैला है। ग्राहक यहां लगभग तीन हजार उत्पाद देख और खरीद सकते हैं। इनमें से करीब 1,400 उत्पाद तुरंत साथ ले जाने के लिए उपलब्ध हैं। वहीं, आइकिया के 6,900 से अधिक उत्पादों की पूरी श्रृंखला आइकिया की वेबसाइट, ऐप और शॉप बाय फोन सेवा के माध्यम से ऑर्डर की जा सकती है। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी ने कहा, 'साकेत और डीएलएफ एवेन्यू, दिल्ली में आइकिया के लिए एक स्वाभाविक नए ठिकाने की तरह हैं। राजधानी में अपने दूसरे सिटी स्टोर के साथ हम अधिक ग्राहकों के लिए हमारे उत्पादों को देखना, नए आइडिया पाना और उनकी जीवनशैली तथा बजट के अनुरूप घरेलू साज-सज्जा के समाधान चुनना और भी आसान बना रहे हैं। आइकिया इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पैट्रिक एंटोनी ने कहा, 'साकेत और डीएलएफ एवेन्यू, दिल्ली में आइकिया के लिए एक स्वाभाविक नये ठिकाने की तरह हैं।

आईटी, बैंकिंग सेक्टरों में बिकवाली से लगातार दूसरे दिन टूटा सेंसेक्स

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। आईटी और बैंकिंग सेक्टरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 238.41 अंक (0.31 प्रतिशत) टूटकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 50.80 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट में 24,187.70 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का 16 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।

प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजारों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.53 प्रतिशत ऊपर रहा। आईटी, सार्वजनिक बैंकों, वित्त, एफएमसीजी, तेल एवं गैस और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। ऑटो, धातु, रसायन, फार्मा, रियल्टी और स्वास्थ्य समूहों में तेजी रही। एनएसई में कुल 3,436 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। उनमें से 1,810 के शेयरों में तेजी और 1,504 में गिरावट रही। अन्य 122 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।

■ सेंसेक्स 238.41 अंक टूटकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ

■ निफ्टी 50.80 अंक की गिरावट में 24,187.70 अंक पर रहा

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर हरे निशान में रहे। बजाज फिनसर्व का शेयर 2.07 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इंडिगो में 1.65 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.57, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.52, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.18, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.02 और टाइटन में 0.97 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी, बीईएल, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एनटीपीसी और सन फार्मा के शेयर भी बढ़त में रहे। नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.08 प्रतिशत लुढ़क गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.48 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक में 1.48, टीसीएस में 1.32, इंफोसिस में 1.24 और ट्रेंट में 1.10 प्रतिशत की गिरावट रही।

एसबीआई फंड्स शेयर बाजार में हुई सूचीबद्ध

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक की परिसंपत्ति प्रबंधन इकाई एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड मंगलवार को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध हो गयी। कंपनी का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई तक उपलब्ध था। आईपीओ के लिए 41.66 गुना बोली लगी थी। एसबीआई ने मंगलवार को शेयर बाजार की दी जानकारी में कहा है कि यह एसबीआई फंड्स के व्यवसाय मॉडल, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, निवेश क्षमता और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं पर निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

भारत औसत वैश्विक लागत के मुकाबले 40 प्रतिशत कम दाम पर ग्रीन जेट ईंधन का कर सकता है उत्पादन

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) के उत्पादन के लिए एक विशिष्ट स्थिति में है और मजबूत रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता के दम पर ग्लोबल बेंचमार्क के मुकाबले 40 प्रतिशत तक की कम लागत पर एसएफ का उत्पादन कर सकता है। यह जानकारी यूसी बर्कले के आईईसीसी और एनर्जी इनोवेशन के संयुक्त अध्ययन में दी गई। ऑयलप्राइस डॉट कॉम पर दी गई इस रिपोर्ट में बताया गया कि भारत कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता की अपनी कमजोरी को पावर-एंड-बायोमास-टू-लिक्विड्स (पीबीटीएल) तकनीक के जरिए अरबों डॉलर के निर्यात के अवसर में बदल सकता है, जिसमें एसएएफ में 2030 तक 9 अरब डॉलर और 2040 तक 30 अरब डॉलर के निर्यात अवसर मौजूद होंगे।

■ 2030 तक 9 अरब डॉलर और 2040 तक 30 अरब डॉलर के निर्यात अवसर मौजूद होंगे

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि भारत में हर साल बड़ी मात्रा में अतिरिक्त फसल अवशेष पैदा होता है, जिसे किसान अकसर जला देते हैं। यदि इस अतिरिक्त फसल अवशेष का सिर्फ 4 प्रतिशत एकत्र कर लिया जाए, तो उससे दुनिया की एसएएफ की कुल जरूरत का 25 प्रतिशत पूरा किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और स्थानीय समुदायों के लिए आय के नए स्रोत भी बनेंगे।

पीबीटीएल तकनीक खाद्यान्न फसलों के बजाय फसल अवशेष और वानिकी अपशिष्ट का उपयोग करती है। इससे पारंपरिक जैव ईंधनों (बायोफ्यूल) पर लगने वाली उस प्रमुख आलोचना से बचा जा सकता है कि वे खाद्य फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। यदि इस तकनीक को कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (सीसीएस) के साथ जोड़ा जाए, तो यह अपने पूरे जीवनचक्र में जितनी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करती है, उससे अधिक मात्रा वातावरण से हटाने की क्षमता भी रख सकती है। भारत सरकार ने 2030 तक विमान ईंधन में 5 प्रतिशत एसएएफ मिश्रण का लक्ष्य तय किया है।

पेटीएम ने बनाया नया रिकॉर्ड, पहली तिमाही में 203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा 'एबिटा'

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की अग्रणी मर्चेंट पेमेंट कंपनी पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने सोमवार को जून 2026 को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही) के अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए। कंपनी ने मर्चेंट और उपभोक्ता व्यवसायों में तीव्र वृद्धि, 'एबिटा' मार्जिन में विस्तार और एआई-आधारित परिचालन लाभ में तेजी के कारण अब तक का उच्चतम तिमाही 'एबिटा' दर्ज किया है। पेटीएम एक एमएसएमई और उद्यमों को सेवाएं प्रदाता, एक प्रमुख वित्तीय सेवा वितरण और मोबाइल भुगतान, क्यूआर कोड और साउंडबॉक्स की अग्रणी कंपनी है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान परिचालन राजस्व वार्षिक आधार पर 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 2,448 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि 'एबिटा' में वार्षिक आधार पर 182 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह रिकॉर्ड 203 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके साथ ही 'एबिटा' मार्जिन बढ़कर 8 प्रतिशत हो गया। आधिकारिक बयान के अनुसार, कर पश्चात लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) में वार्षिक आधार पर 79 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 220 करोड़ रुपए हो गया। तुलनात्मक आधार पर, दिसंबर 2025 तक लागू पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) प्रोत्साहन को छोड़कर परिचालन राजस्व में वार्षिक आधार पर 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'एबिटा' मार्जिन में वार्षिक आधार पर 7 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई।

डिवाइस व्यापारियों के उत्पाद, वितरण और सेवा में किए गए निवेश और पिछले वर्ष ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस प्राप्त होने के बाद ऑनलाइन मर्चेंट बिजनेस में आई तेजी के कारण व्यापारी सकल खुदरा मूल्य (जीएमवी) में वार्षिक आधार पर 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 7.1 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। शुद्ध भुगतान राजस्व (नेट पेमेंट रेवेन्यू) में वार्षिक आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 601 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में अप्रैल-जून अवधि में संस्थागत निवेश 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेशक 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में तिमाही आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में संस्थागत निवेशकों ने कुल 3.5 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कि 2025 में समान अवधि में किए गए निवेश की तुलना में करीब 6 प्रतिशत अधिक है। यह दिखाता है कि वैश्विक अनिश्चितता के बाद भी भारत में रियल एस्टेट आधार पर निवेशकों का विश्वास बना हुआ है।

फर्म ने अनुमान जताया, '2026 की दूसरी छमाही को देखते हुए, भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद और बुनियादी ढांचे पर आधारित निरंतर विकास के समर्थन से संस्थागत निवेश गतिविधियां स्थिर रहने की उम्मीद है।'

■ 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेशकों ने कुल 3.5 अरब डॉलर का निवेश किया

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में ऑफिस एसेट्स ने निवेश प्रवाह पर दबदबा बनाए रखा। इस श्रेणी में लगभग 1 अरब डॉलर का निवेश आया, जो कुल निवेश का 51 प्रतिशत रहा। यह लगातार चौथी तिमाही है जब ऑफिस एसेट्स निवेश के मामले में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों की यह लगातार बढ़ती प्राथमिकता ऑफिस सेक्टर की दीर्घकालिक मजबूत बुनियाद और स्थिर आय देने की इसकी क्षमता पर उनके भरोसे को दर्शाती है। ऑफिस रियल एस्टेट में निवेशकों की रुचि को मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की मजबूत मांग, प्रमुख ऑफिस बाजारों में घटती वैकेंसी और प्रीमियम माइक्रो-मार्केट्स में लगातार बढ़ते किराये का समर्थन मिल रहा है।

डेटा सेंटर दूसरी तिमाही में पूंजी आकर्षित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बनकर उभरा, जिसने कुल निवेश का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इस क्षेत्र में बढ़ती हिस्सेदारी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर परिसंपत्तियों के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग, क्लाउड सेवाओं के विस्तार और डेटा लोकलाइजेशन संबंधी आवश्यकताओं से बढ़ती मांग का समर्थन मिल रहा है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

23 जुलाई से 2 अगस्त तक होंगे कॉमनवेल्थ गेम्स

32 साल के इतिहास में अब तक का सबसे छोटा होगा कॉमनवेल्थ गेम्स, नहीं मिल रहे थे मेजबान

ग्लासगो में होंगे महज 10 खेल, बैडमिंटन, हॉकी, कुश्ती, क्रिकेट और टेबल टेनिस जैसे कई लोकप्रिय खेल किए गए बाहर, चानू और लवलीना होंगी भारतीय दल का ध्वजवाहक

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) का 23वां एडिशन शुरू होने में अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं। यह गेम्स 23 जुलाई से शुरू होकर 2 अगस्त तक चलेंगे। इस बार इस प्रतिष्ठित मल्टी-स्पोर्ट इवेंट को लेकर पहले जैसा उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 पिछले 32 वर्षों का सबसे छोटा एडिशन बनने जा रहा है।

इस बार सिर्फ 10 खेल आयोजित किए जाएंगे, जबकि बैडमिंटन, हॉकी, कुश्ती, क्रिकेट और टेबल टेनिस जैसे कई लोकप्रिय खेल बाहर कर दिए गए हैं। स्कॉटलैंड 12 वर्षों के भीतर कॉमनवेल्थ गेम्स के दो संस्करण आयोजित करने वाला दूसरा देश बनेगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2006 में मेलबर्न और 2018 में गोल्ड कोस्ट में खेलों की मेजबानी की थी। हालांकि, ग्लासगो इतिहास का पहला शहर होगा, जो इतनी कम अवधि में दूसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले शहर ने 2014 में भी इस इवेंट का सफल आयोजन किया था।

ग्लासगो बना था अंतिम विकल्प

11 अप्रैल 2024 को जब कोई दूसरा मेजबान सामने नहीं आया, तब ग्लासगो ने आखिरी ऑप्शन के तौर पर 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का प्रस्ताव रखा। लागत कम रखने के लिए 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स के स्टेडियम और इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करने का फैसला किया गया। एथलीटों के रहने के लिए अलग एथलीट्स विलेज बनाने के बजाय शहर के होटलों के साथ ग्लासगो कैलेडोनियन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो की स्टूडेंट आवास सुविधाओं का इस्तेमाल किया जाएगा। कम बजट वाले इस आयोजन में सात वेन्यू पर प्रतियोगिताएं होंगी।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में ये भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

राष्ट्रमंडल खेल 2026 बेहद करीब हैं और इस बार ग्लासगो में भारत का प्रतिनिधित्व 125 एथलीट करेंगे। 23 जुलाई से शुरू हो रही इस बहु-खेल प्रतियोगिता में 77 पुरुष और 48 महिला एथलीट पैरा-स्पोर्ट्स सहित कुल 13 खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा 32 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसके बाद मुक्केबाजी (14), जूडो (14) और भारोत्तोलन (12) का नंबर आता है। मालूम हो कि 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 210 एथलीट भेजे थे और कुल 61 पदक अपने नाम किए थे। भारतीय ओलंपिक संघ ने मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को संयुक्त रूप से भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया है। दो महिला खिलाड़ियों को यह जिम्मेदारी मिलना भारतीय खेलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रतीक माना जा रहा है ग्लासगो में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों की सूची

थ्री इंटू थ्री बास्केटबॉल

रीना रमेशचंद्र गुप्ता	महिला व्हीलचेयर
इरेंगबाम रितु चानू	महिला व्हीलचेयर
जाधव मीनाक्षी हरिचंद्र	महिला व्हीलचेयर
रायन्नावर लक्ष्मी रायप्पा	महिला व्हीलचेयर

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स

तपन मोहंती	पुरुष टीम ऑल-अराउंड
तपेश्वरनाथ दास	पुरुष टीम ऑल-अराउंड
स्वातिश केपी	पुरुष टीम ऑल-अराउंड
सत्यजीत मोंडल	पुरुष टीम ऑल-अराउंड
प्रणति नायक	महिला टीम ऑल-अराउंड
निश्का अग्रवाल	महिला टीम ऑल-अराउंड
इशिता रेवले	महिला टीम ऑल-अराउंड
प्रतिष्ठा सामंत	महिला टीम ऑल-अराउंड

एथलेटिक्स

गुरविंदरवीर सिंह	पुरुष 100 मीटर
अनिमेष कुजूर	पुरुष 200 मीटर
विशाल टीके	पुरुष 400 मीटर, मिक्स्ड 4 3400 मीटर रिले
राजेश रमेश	पुरुष 400 मीटर, मिक्स्ड 4 3400 मीटर रिले
गुलवीर सिंह	पुरुष 5000 मीटर, पुरुष 10,000 मीटर
तेजस शिर्से	पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़
यशस पलाक्षा	पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़
संतोष तमिलरासन	पुरुष 400 मीटर

बाधा दौड़

रशदीप कौर	महिला 400 मीटर, मिक्स्ड 4 3400 मीटर रिले
नीरू पाठक	महिला 400 मीटर, मिक्स्ड 4 3400 मीटर रिले
अंसा बाबू	महिला 400 मीटर, मिक्स्ड 4 3400 मीटर रिले
पारुल चौधरी	महिला 3000 मी. स्टीपलचेज महिला 5000 मीटर
प्रियंका गोस्वामी	महिला 10,000 मीटर वॉक
रवीना गायकवाड़	महिला 10,000 मीटर वॉक
देव मीना	पुरुष पोल वॉल्ट
कुलदीप कुमार	पुरुष पोल वॉल्ट
सर्वेश अनिल कुशारे	पुरुष हाई जंप
आदर्श राम जे	पुरुष हाई जंप
तेजस्विन शंकर	पुरुष हाई जंप, पुरुष डेकाथलॉन
मुरली श्रीशंकर	पुरुष लॉन्ग जंप
लोकेश सत्यनाथन	पुरुष लॉन्ग जंप
प्रवीण चित्रावेल	पुरुष ट्रिपल जंप
सेल्वा प्रभु	पुरुष ट्रिपल जंप
समरदीप सिंह गिल	पुरुष शॉट पुट
तजिंदरपाल सिंह तूर	पुरुष शॉट पुट
नीरज चोपड़ा	पुरुष भाला फेंक
रोहित यादव	पुरुष भाला फेंक
यश वीर सिंह	पुरुष भाला फेंक
पूजा सिंह	महिला हाई जंप
मनप्रीत कौर	महिला शॉट पुट
सीमा कलीरामना	महिला डिस्कस थ्रो
निधि रानी	महिला डिस्कस थ्रो

पैरा एथलेटिक्स

राकेशभाई भट्ट	पुरुष 100 मीटर (टी 38)
श्रेयांश त्रिवेदी	पुरुष 100 मीटर (टी 38)
मो. बासिल एम	पुरुष 100 मीटर (टी 47)
दिलीप महादू गावित	पुरुष 100 मीटर (टी 47)
रमेश षणमुगम	पुरुष 1500 मीटर (टी 54)
देवेंद्र कुमार	पुरुष डिस्कस थ्रो (एफ44)
सागर थायत	पुरुष डिस्कस थ्रो (एफ44)
शुभम जुयाल	पुरुष शॉट पुट (एफ57)
सोमन राणा	पुरुष शॉट पुट (एफ57)
शर्मिला ढांकड	महिला शॉट पुट (एफ57)
शिल्पा के शैल	महिला शॉट पुट (एफ57)

जिम्बाब्वे के खिलाफ वैभव अभिषेक करेंगे ओपनिंग

प्रभसिमरन सिंह को दिया गया मौका

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 मैच की टी20 सीरीज खेलने वाली है। 23 जुलाई को पहला मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। बीसीसीआई की ओर से इस दौरे के लिए युवा टीम इंडिया का चयन किया गया है।

संजू सैमसन को आराम देकर प्रभसिमरन सिंह को मौका दिया गया है। साथ ही अशोक शर्मा और मयंक यादव जैसे रफ्तार के सौदागर गेंदबाजों को शामिल किया गया है। आइए जानते हैं कि पहले टी20 में भारतीय टीम किस प्लेइंग-इलेवन के साथ उतर सकती है। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 में वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी का नजर आना तय है। 15 साल के सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैच खेले, जिसमें उनके बल्ले से 14, 13 और 15 रन की पारियां देखने को मिली। दूसरी ओर अभिषेक ने एक फिफ्टी के अलावा कुछ खास कमाल करके नहीं दिखाया।

जिम्बाब्वे के कप्तान रजा बोले, एकतरफा नहीं होगी सीरीज

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने उन सुझावों को खारिज कर दिया है जिनमें भारत को आगामी टी20 सीरीज का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। उनका मानना है कि यह तीन मैचों की सीरीज कई लोगों की उम्मीदों से कहीं अधिक संतुलित होगी। इस सीरीज की शुरुआत गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होगी, जबकि बाकी दो मैच 25 और 26 जुलाई को इसी मैदान पर खेले जाएंगे। रजा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है, उन्होंने ध्यान दिलाया कि जिम्बाब्वे भी अपनी टीम का पुनर्गठन कर रहा है।

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

फ्रंट फुट नो बॉल व बीमर फेंकने पर मैच से सस्पेंड होंगे गेंदबाज

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के नियम में किए बदलाव

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

घरेलू क्रिकेट में जानबूझकर नो बॉल और बीमर फेंकना गेंदबाजों को महंगा पड़ेगा। ऐसा करने पर गेंदबाज को पूरे मैच से बाहर कर दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीजन शुरू होने से पहले प्लेइंग कंडीशंस में कई बड़े बदलाव किए हैं। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) द्वारा क्रिकेट के नियमों में किए गए संशोधनों के बाद बीसीसीआई ने भी अपने घरेलू टूर्नामेंट्स के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। इन बदलावों का सबसे ज्यादा असर गेंदबाजों, विकेटकीपर्स और मल्टी-डे मैचों के संचालन पर पड़ेगा। बीसीसीआई ने इन नए नियमों की जानकारी सभी राज्य क्रिकेट संघों को भेज दी है। साथ ही अंपायरों और मैच रेफरी को भी नए प्रावधानों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि आगामी घरेलू सीजन में इन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट फुट नो बॉल को लेकर किया गया है। अब यदि कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकता पाया जाता है तो उसे सिर्फ गेंदबाजी से नहीं हटाया जाएगा, बल्कि मैच के बाकी हिस्से से ही सस्पेंड कर दिया जाएगा। यही नियम जानबूझकर खतरनाक बीमर यानी सिर से ऊपर गेंद फेंकने पर भी लागू होगा। विकेटकीपर्स को भी नए नियमों के तहत राहत मिली है। अब वे गेंदबाजी के दौरान अपने हाथ स्टंप्स के आगे रख सकते हैं, लेकिन गेंद छोड़े जाने के समय उनके हाथ स्टंप्स के पीछे होने जरूरी होंगे।

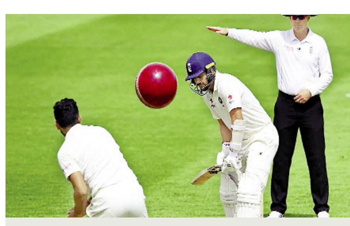

ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आ सकेंगे कप्तान

वनडे क्रिकेट में टीम कप्तानों को भी राहत दी गई है। अब ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान कप्तान मैदान पर जाकर अपने खिलाड़ियों से बातचीत कर सकेंगे और रणनीति बना सकेंगे. पहले इस पर पाबंदी थी।

आखिरी ओवर हर हाल में पूरा होगा

बीसीसीआई ने मल्टी-डे यानी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अहम बदलाव किया है। अब दिन के आखिरी ओवर के दौरान विकेट गिरने पर खेल तुरंत समाप्त नहीं होगा। यदि आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर भी विकेट गिरता है तो नई बल्लेबाज को मैदान पर आकर अंतिम गेंद खेलनी होगी। यानी अब दिन का आखिरी ओवर हर स्थिति में पूरा कराया जाएगा।

गुकेश को मिली लगातार दूसरी करारी शिकस्त

नई दिल्ली, आरएनएन। ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को लगातार दूसरी बार शिकस्त देकर चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में बड़ा उलटफेर किया। वहीं, ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन ने हमवतन अर्जुन एरिगैसी को पराजित किया। एरिगैसी की हार का सबसे बड़ा फायदा फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा को मिला। फिरोजा छठे दौर में ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलाने के बाद चार अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं।एरिगैसी और अब्दुसत्तोरोव एक समान 3.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

सरीन ने एरिगैसी को हराया

अर्जेंटीना को चीटिंग से फाइनल में पहुंचाया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बीच सालों पुरानी प्रतिद्वंद्विता ने एक बार फिर नया मोड़ ले लिया है। रोनाल्डो के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक ऐसे वायरल वीडियो को लाइक किया गया जिसमें विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा पर 2026 विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना और मेसी को फायदा पहुंचाने के लिए धोखाधड़ी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भले ही यह एक सोशल मीडिया एक्शन था, लेकिन इसने फुटबॉल जगत में फीफा के खिलाफ भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोपों के मुद्दे को फिर से बाहर निकाल दिया है।

सोशल मीडिया पर रोनाल्डो के रिएक्शन से मचा बवाल

लियोनल मेसी के बिना स्वदेश पहुंची अर्जेंटीना की टीम, किया गया स्वागत

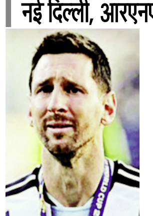

नई दिल्ली, आरएनएन। न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में स्पेन से 0-1 से दिल तोड़ने वाली हार के बाद जब अर्जेंटीना की टीम घर लौटी, तो एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट और मिलिट्री बैंड के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया। खिताब गंवाने के बावजूद भी एजेइजा में मिनिस्ट्रो पिस्टारिनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ऑफिस के बाहर हजारों लोग जमा हुए।

हॉकी विश्व कप के लिए पुरुष टीम घोषित

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

हॉकी इंडिया ने सोमवार को बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए 20 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की। इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह करेंगे।

गोलकीपिंग विभाग में मोहित एचएस और सूरज करकेरा शामिल हैं, जबकि डिफेंस यूनिट में जरमनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं। मिडफील्ड की कमान मनप्रीत, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद की तिकड़ी संभालेगी, साथ ही नीलाकांता शर्मा और होनहार युवा खिलाड़ी राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे भी इसमें शामिल होंगे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर: मोहित एचएस, सूरज करकेरा।

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद।

फॉरवर्ड: दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

कप्तान पैट कमिंस की टीम में वापसी

नई दिल्ली, आरएनएन। बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 13 सदस्यीय स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इस वर्ष अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में उनकी वापसी हो गई है। पैट कमिंस ने पिछला मुकाबला दिसंबर में खेला था। इस मुकाबले के बाद से ही वे टीम से बाहर चल रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। सीरीज के लिए पैट कमिंस के साथ गेंदबाज मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड भी 13 सदस्यीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश की टीम इन तीनों स्टार गेंदबाजों का सामना कर सकती है।

सिंधु बोलीं, विराट की एक सलाह ने बदल दी जिंदगी

खराब दौर में किया था कोहली को फोन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

जापान ओपन 2026 का खिताब जीतने के बाद पीवी सिंधु की आंखों में खुशी के आंसू थे। यह सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि पिछले दो साल के संघर्ष, दर्द और लगातार मिली निराशाओं पर जीत थी। हालांकि, इस शानदार वापसी की कहानी कोर्ट पर नहीं, बल्कि बेंगलुरु में हुई एक मुलाकात से शुरू हुई थी।

उस मुलाकात की वजह बने भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान विराट कोहली। सिंधु ने खुलासा किया कि जब वह अपने करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब उन्होंने विराट को फोन किया था।

उस बातचीत ने उनकी सोच और करियर, दोनों बदल दिए।सिंधु के लिए पिछले 24 महीने बेहद कठिन रहे। स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबरना, पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन, लगातार चोटें और दो साल तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाना उनके आत्मविश्वास को झकझोर चुका था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ''एक चीज जिसके लिए मैं हमेशा विराट भाई की आभारी रहूंगी।

लॉटरी लगी मिया खलीफा ने स्पेन पर लगाया था भारी भरकम दांव, यमाल की जर्सी पहनकर जताई थीं खुशी

स्पेन के जीतने पर मिया खलीफा ने कमाए 13 करोड़

● न्यूयॉर्क / (एजेंसी)

16 साल बाद स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा और खिलाड़ियों को भारी-भरकम इनाम मिला। वही स्पेन के खिताब जीतने के बाद पूर्व एडल्ट स्टार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मिया खलीफा को भी बड़ा मुनाफा हुआ।

न्यू यॉर्क में खेले गए खिताबी मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच में स्पेन की जीत पर मिया खलीफा ने भारी-भरकम दांव लगाया था, जिसके बाद उन्होंने लगभग 1.65 मिलियन डॉलर (करीब 13.8 करोड़ रुपये) की मोटी रकम अपने नाम की। स्पेनिश खिलाड़ी लामिन यमाल की जर्सी पहनकर मैच देखने पहुंची मिया खलीफा ने मुकाबला खत्म होने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। स्टेडियम से अपनी तस्वीरें साझा करने के साथ ही उन्होंने अपनी सट्टेबाजी की पर्ची का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। उन्होंने 1.65 के ऑड्स पर 1 मिलियन डॉलर दांव पर लगाए थे, जिसके चलते स्पेन की जीत के बाद उन्हें 1.65 मिलियन डॉलर का भुगतान मिला।

स्पेन के फीफा वर्ल्ड कप जीतने पर जश्न मनाती हुई मिया खलीफा

उन्होंने चुटकी लेते हुए लिखा कि बिना स्पेनिश खून का एक भी कतरा हुए भी उन्हें अपने होम कंट्री स्पेन पर पूरा भरोसा था और उन्होंने बड़ा इनाम जीता। मैदान पर स्पेन और अर्जेंटीना के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं जहां अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 11 शानदार बचाव करके स्पेन को रोके रखा। हालांकि, एक्स्ट्रा टाइम के आखिरी मिनटों में फेरान टोरेस ने शानदार गोल दागकर स्पेन को 1-0 से ऐतिहासिक जीत दिला दी।

16 साल के लंबे इंतजार के बाद स्पेन का यह दूसरा वर्ल्ड कप खिताब है जिसके तहत चैंपियन टीम को लगभग 51 मिलियन डॉलर की इनामी राशि मिली।

बनाई नई पहचान

लेबनानी-अमेरिकी मीडिया शख्सियत मिया खलीफा ने भले ही साल 2014 और 2015 में सिर्फ कुछ महीनों के लिए ही एडल्ट फिल्म उद्योग में काम किया था लेकिन वे आज भी इस क्षेत्र के सबसे पहचाने जाने वाले नामों में से एक हैं। उद्योग छोड़ने के बाद से उन्होंने सोशल मीडिया क्रिएटर और कमेंटेटर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
118 = 0	277 = 6
400 = 4	770 = 4

शुभांक

दिन	रात
337 = 3	250 = 7
290 = 1	679 = 2

भाग्यांक

1 3 5 9

www.kalyangame.com

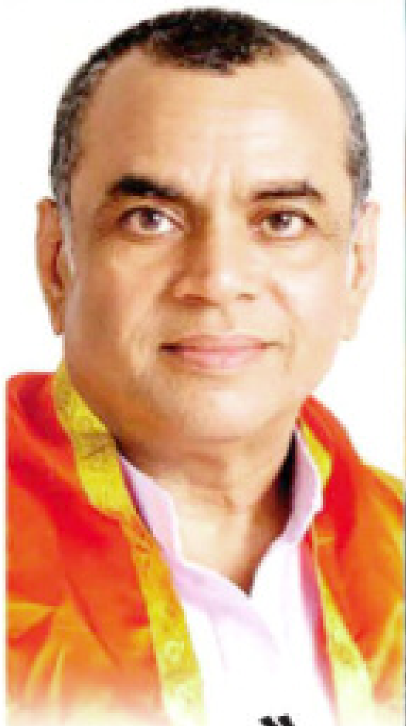

अक्षय और मेरे बीच में मनमुटाव नहीं

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वे 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी।

यह कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी

विक्की लालवानी से बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वहीं 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा

फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

प्रियंका चोपड़ा ने 'वाराणसी' की शूटिंग पर की ये बात, राजामौली की तारीफ की

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की। बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

किसी के पास ऐसा विजन नहीं है

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती है। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।'

फिल्म मे डांस करना चाहती थी प्रियंका

प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

कब पूरी होगी शूटिंग

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफूल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टैंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाछू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना ने 'रणबाली' को लेकर दी अपडेट

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

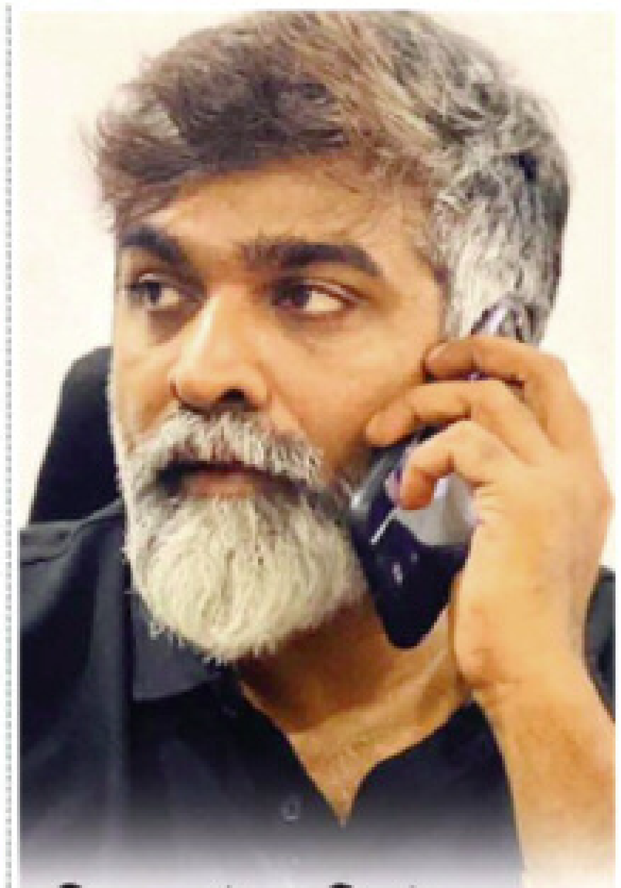

विजय सेतुपति ने बताया अपना आर्थिक संघर्ष; नहीं बनना चाहते थे एक्टर

आज भारतीय सिनेमा में एक्टर विजय सेतुपति को सबसे वर्सेटाइल कलाकारों में से एक माना जाता है। कमर्शियल एंटरटेनर और क्रिटिक्स द्वारा सराही गई फिल्मों के बीच संतुलन बनाने के लिए मशहूर इस तमिल स्टार ने एक सफल करियर बनाया है। हालांकि, इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा डिमांड वाले एक्टर्स में से एक बनने से बहुत पहले विजय का कहना है कि उनकी जिंदगी आर्थिक मुश्किलों से गुजरी, जिसने उनके परिवार के हर फैसले पर असर डाला।

बचपन में झेली गरीबी टूली राम पॉडकास्ट पर बात करते हुए विजय सेतुपति ने अपने बचपन को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्थिक तंगी के बीच बड़े होने से वो कम उम्र में ही समझदार हो गए। उन्होंने कहा कि गरीबी उनके शुरुआती जीवन का एक अहम हिस्सा थी। बचपन में मैंने ज्यादातर आर्थिक संघर्ष ही देखे। लोग कहते हैं कि जवानी गरीबी और मुश्किलों से भरी होती है। मैंने कम उम्र से ही इस स्थिति का सामना किया है। बस यही सब था। क्योंकि जब आप कुछ चाहते हैं, तो आपको हिसाब लगाना पड़ता है कि आप कितना चाहते हैं और आपकी आर्थिक स्थिति ही यह तय करती है। यहां तक कि जब कर्ज वसूलने वाले आते थे या कोई बातचीत के लिए बैठता था, तो मैं ही अपने पिता के साथ बैठता था। मैं ही उन हालात को संभालता था।

एक्टर नहीं बिजनेसमैन बनना चाहते थे विजय

एक्टर ने यह भी बताया कि एक्टिंग कभी उनके शुरुआती प्लान का हिस्सा नहीं थी। मेरी फिल्मों में काम करने की कोई इच्छा नहीं थी। मुझे हमेशा काम करना पसंद रहा है। मैं एक बिजनेसमैन बनना चाहता था। जब मैं स्कूल में था, तो मैं दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। उसके बाद मैंने एक टेलीफोन बूथ पर काम किया। अपनी जिंदगी में मैंने नाइट शूट करते हुए बहुत संघर्ष किया है। आखिरी बार 'गांधी टॉक्स' में नजर आए थे विजय

विजय सेतुपति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे और सपोर्टिंग रोल से की थी। 2012 में 'पिज्जा' और 'नडुवुला कोंजम पक्खाथा कानोम' फिल्मों से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'सूधू कव्वुम', 'विक्रम वेधा', '96', 'सुपर डीलक्स', 'मास्टर', 'विक्रम', 'जवान' और 'महाराजा' जैसी फिल्मों से अपनी खास जगह बनाई। 2023 में विजय ने शाहिद कपूर के साथ क्राइम थ्रिलर सीरीज 'फर्जी' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। विजय को आखिरी बार 2026 की फिल्म 'गांधी टॉक्स' में देखा गया था।

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है और मैं मंदोदरी

कभी साल में 8 फिल्में करती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं।साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थी। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। इसका स्केल दिखाई देता है कि यह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं।' वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही हैं, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डराने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको सीख भी देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630